RNI NO. PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

गुस्ताखी माफ

हर दिन लगभग डेढ़ सौ, पकड़ लिये सरकार।
फिर भी इनकी देखिए, है पूरी भरमार।
है पूरी भरमार, नहीं ये क्यों घट पाते।
इतने तस्कर नये, कहां से आते जाते।
कह साहिल कविराय, कहीं है कुछ तो चक्कर।
इतनी सॉलिड पुलिस, ले रहे फिर भी टक्कर।

प्रस्तुति : डॉ. राजेन्द्र साहिल

VOL: 03 | ISSUE 192 | TUESDAY DATE 04-08-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

सेनाओं को सहयोग देने वाली संस्थाओं को भी विकसित होते रहना होगा : राजनाथ

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त ।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि हमारी सशस्त्र सेनाओं के साथ-साथ प्रौद्योगिकी, उद्योग, शिक्षाजगत तथा नवाचार तंत्र का जुड़ाव भी लगातार बढ़ रहा है। इसलिए जब हम इतने सारे आयामों पर आगे बढ़ रहे हैं, तो ऐसे में हमारी सशस्त्र सेनाओं को सहयोग देने वाली संस्थाओं को भी निरंतर विकसित होते रहना होगा। वह नई दिल्ली में, सशस्त्र सेना मुख्यालय (एएफएचक्यू) सिविलियन सर्विस दिवस के अवसर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसी भी सेना को शक्ति केवल हथियारों और गोला-बारूद से ही नहीं

मिलती, बल्कि उन हजारों अदृश्य हाथों से भी मिलती है, जो हमेशा उसके पीछे उसके सहयोग में खड़े रहते हैं। एएफएचक्यू सिविलियन सेवाएं उन्हीं अदृश्य लेकिन निर्णायक शक्तियों में से एक हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि आज हमारी सशस्त्र सेनाएं अधिक संयुक्तता और एकीकरण की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में एएफएचक्यू सिविलियन सेवाओं के लिए भी यह एक बड़ा अवसर है।

उन्होंने कहा, ''मेरा मानना है कि सैन्य और नागरिक घटकों के बीच भी संयुक्तता और एकीकरण के नए आयामों पर विचार होना चाहिए, ताकि संस्थागत स्मृति, संस्थागत स्थिरता तथा नियमों एवं विनियमों के प्रभावी अनुप्रयोग के साथ रक्षा तंत्र में और अधिक संयुक्तता लाई जा सके। एएफएचक्यू सेवाएं रक्षा मंत्रालय की संस्थागत स्मृति हैं। क्योंकि एएफएचक्यू संवर्ग एक ऐसी संस्था है, जो रक्षा मंत्रालय को निरंतरता, विषयगत विशेषज्ञता तथा नीतिगत स्थिरता प्रदान करता है। इसके साथ ही नागरिक-सैन्य समन्वय को सुदृढ़ करने में भी एएफएचक्यू एक महत्वपूर्ण सेतु की भूमिका निभाता है।'' रक्षा मंत्री ने आगे कहा कि आप अपने दायित्व और भूमिका से आगे बढ़कर रक्षा प्रौद्योगिकी अनुसंधान, भू-रणनीतिक चिंतन तथा नए विचारों के माध्यम से देश के रक्षा तंत्र को और सशक्त बनाने में योगदान दें। आप रक्षा मंत्रालय के स्थायी संवर्ग हैं और आपके पास गहन विषयगत ज्ञान है। इसलिए रक्षा से जुड़े मूल विषयों पर भी आपकी सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

संक्षिप्त खबरें

प्रवेश साहिब सिंह ने नजफगढ़ ड्रेन पर फुटब्रिज के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया

दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त । दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सोमवार को उत्तर दिल्ली स्थित नजफगढ़ ड्रेन पर नये पैदल पुल (फुटब्रिज) के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस मौके पर श्री सिंह ने कहा कि यह परियोजना दिल्ली सरकार की नागरिक सुरक्षा और बेहतर सार्वजनिक आधारभूत ढांचे के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने हाल में हुई एक पुल दुर्घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि इस घटना ने राजधानी में पुलों की नियमित संरचनात्मक जांच (स्ट्रक्चरल ऑडिट) की आवश्यकता को रेखांकित किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान पुलों का व्यापक सुरक्षा ऑडिट नहीं कराया गया, जिससे कई महत्वपूर्ण संरचनाओं की समय पर जांच नहीं हो सकी।

महिला पहलवानों के उत्पीड़न मामले में दिल्ली की अदालत ने बृजभूषण सिंह को किया बरी

दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त । दिल्ली की एक अदालत ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह को महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के आरोपों से जुड़े मामले में बरी कर दिया। राउज एवेन्यू कोर्ट के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अश्विनी पंवार ने इस मामले में सह-आरोपी विनोद तोमर को भी बरी कर दिया। अदालत ने अभियोजन पक्ष, शिकायतकताओं और बचाव पक्ष की विस्तृत दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुनाया। मामले की सुनवाई बंद कमरे में हुई। महिला पहलवानों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता रेबेका जॉन पेश हुईं, जबकि श्री सिंह का प्रतिनिधित्व अधिवक्ता राजीव मोहन ने किया। मई 2024 में अदालत ने श्री सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप तय किए थे, हालांकि एक शिकायतकर्ता द्वारा लगाए गए आरोपों के मामले में उन्हें आरोपमुक्त कर दिया गया था।

दिल्ली मेयर के ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी, लाल किले में चला तलाशी अभियान

नई दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त । स्वतंत्रता दिवस समारोह से पहले दिल्ली में सुरक्षा एजेंसियां सोमवार को हरकत में आ गईं और लाल किले के आसपास के पूरे इलाके की तलाशी ली। दिल्ली के मेयर के ऑफिस को भेजे गए एक ईमेल में 15 अगस्त को इस मशहूर स्मारक पर कई बम धमाकों की धमकी दी गई थी। जैसे ही मेयर के ऑफिस को ईमेल से बम से उड़ाने की धमकी मिली, उन्होंने दिल्ली पुलिस और दूसरी सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट कर दिया। अधिकारी ने बताया कि अलर्ट मिलने के तुरंत बाद पुलिसकर्मी, बम निरोधक दस्ते और दूसरी सुरक्षा टीमें लाल किले पहुंचीं और पूरे इलाके की अच्छी तरह से जांच-पड़ताल की। दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि बम की धमकी की जानकारी मिलने के बाद इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी गई और जांच शुरू कर दी गई। सूत्रों के मुताबिक, जांच करने वाले ईमेल भेजने वाले की पहचान और उसके सोर्स का पता लगाने की कोशिश कर रहे थे।

हंगामा करने के बजाय चर्चा में विपक्षी सांसदों को हिस्सा लेना चाहिए :मुख्तार अब्बास नकवी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त । संसद के मानसून सत्र में राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में विपक्षी सांसदों की ओर से जारी हंगामे को लेकर भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष को संसद में हंगामा करने के बजाय बहस और चर्चा में हिस्सा लेना चाहिए। नई दिल्ली में आईएएनएस से बातचीत में भाजपा के वरिष्ठ नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने कहा कि हिट एंड रन की राजनीति करने वाले इन हुड़दंगियों और नौसिखियों को अपनी इस सनक से बाहर निकलना होगा। संसद में 'हाय-हाय' और विरोध के नारे लगाने से कुछ हासिल नहीं होगा। अगर यही रवैया रहा तो सड़क पर जनता उन्हें 'बाय-बाय' कह देगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष लगातार संसद का सत्र बाधित करने की कोशिश करता रहा है जबकि जनता ने सांसदों को चर्चा और निर्णय प्रक्रिया में भाग लेने के लिए चुना है।

अमेरिकी क्रिकेटर अखिलेश रेड्डी पर लगा 8 साल का बैन

नई दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त । इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका (यूएसए) के क्रिकेटर बोडुगम अखिलेश रेड्डी पर सभी तरह के क्रिकेट से आठ साल का बैन लगा दिया गया है, जिन्हें एंटी-करप्शन ट्रिब्यूनल ने एंटी-करप्शन कोड के तीन नियमों का उल्लंघन करने का दोषी पाया है।

भाजपा का पुराना गढ़ टूटा

प्रशांत किशोर ने 19,324 मतों से दर्ज की जीत

» पटना, यूटर्न/ 03 अगस्त

बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला है। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने भाजपा के मजबूत गढ़ माने जाने वाले बांकीपुर में जीत दर्ज करते हुए भाजपा के उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को 19,324 मतों से पराजित कर दिया। इस जीत के साथ प्रशांत किशोर पहली बार विधानसभा पहुंचे हैं, जबकि भाजपा को इस प्रतिष्ठित सीट पर बड़ा झटका लगा है।

चुनाव आयोग द्वारा जारी परिणाम के अनुसार, प्रशांत किशोर को 64,151 मत मिले, जबकि भाजपा उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को 44,827 वोट प्राप्त हुए। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की उम्मीदवार रेखा गुप्ता 14,273 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। यह सीट भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद राज्यसभा पहुंचे नितिन नवीन के इस्तीफे से खाली हुई थी।

वर्ष 1995 से यह सीट भाजपा का अभेद्य किला मानी जाती रही है। 2006 के उपचुनाव में नितिन नवीन पहली बार विधायक बने और 2025 तक इस सीट का प्रतिनिधित्व करते रहे। इसके पहले तीन बार उनके पिता नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व

करते थे। ऐसे में इस सीट पर भाजपा की हार को राजनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रशांत किशोर पहली बार चुनावी मैदान में उतरे थे, लेकिन उन्होंने अपने पहले ही चुनाव में भाजपा के सबसे मजबूत गढ़ों में से एक को भेदकर बिहार की राजनीति में बड़ा संदेश दिया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह परिणाम जन सुराज पार्टी के लिए मनोबल बढ़ाने वाला साबित हो सकता है। उधर, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने जनादेश को स्वीकार करते हुए हार की समीक्षा करने की बात कही है।

सीएम सम्राट चौधरी ने प्रशांत किशोर को दी बधाई, भाजपा ने स्वीकारा जनादेश

बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट के उपचुनाव में जन सुराज के उम्मीदवार प्रशांत किशोर की जीत के बाद राजनीतिक प्रतिक्रियाओं का दौर तेज हो गया है। सीएम सम्राट चौधरी और राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव की बेटी रोहिणी आचार्या ने सोशल मीडिया के जरिए चुनाव परिणाम पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी है।

10 मेट्रो स्टेशनों पर खुलेंगे अर्पण केंद्र

पुराने कपड़ों से मिलेगा रोजगार और पर्यावरण को सहारा

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त ।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को पंजाबी बाग वेस्ट मेट्रो स्टेशन पर 'अर्पण केंद्र' का शुभारंभ किया। यह पहल दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) और दिल्ली मेट्रो लेडीज वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से शुरू की गई है। इसका उद्देश्य पुराने उपयोग योग्य कपड़ों का संग्रह, पुनः उपयोग (रीयूज), पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) और अपसाइक्लिंग को बढ़ावा देना है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने क्यूआर कोड आधारित डिजिटल प्रणाली के माध्यम से वस्त्र दान की प्रक्रिया का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि विकसित दिल्ली का निर्माण केवल सड़कों, पुलों और मेट्रो लाइनों से नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिकों, संसाधनों के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण की सामूहिक सोच से होता है। उन्होंने कहा कि

जब कचरे को संसाधन में बदला जाता है और विकास के साथ प्रकृति का संरक्षण सुनिश्चित किया जाता है, तभी वास्तविक अर्थों में विकसित समाज का निर्माण होता है।

कार्यक्रम में मादीपुर के विधायक कैलाश गंगवाल, डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक डॉ. विकास कुमार, दिल्ली मेट्रो लेडीज वेलफेयर ऑर्गनाइजेशन की अध्यक्ष डॉ. शालिनी सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अपराधियों पर कार्रवाई और जनसमस्याओं के निस्तारण में शिथिलता बर्दाश्त नहीं : योगी

» लखनऊ, यूटर्न/ 03 अगस्त ।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सावन के पहले सोमवार को धार्मिक अनुष्ठान व मानसून सत्र के शासकीय दायित्वों के बीच भी जनसेवा को सर्वोपरि रखा। उन्होंने सोमवार सुबह की शुरूआत 'जनता दर्शन' से की। प्रदेश के कई जनपदों से आए सभी लोगों से उन्होंने एक-एक कर मुलाकात की। उनके प्रार्थना पत्र लिए और अधिकारियों को प्रेषित करते हुए समयबद्ध निस्तारण का निर्देश दिया। पुलिस से जुड़े मामलों पर मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अपराधियों पर कार्रवाई और जनसमस्याओं के निस्तारण में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी।

'जनता दर्शन' में पुलिस से जुड़ीं कई शिकायतें मिलीं, जिस पर मुख्यमंत्री काफी

सख्त रहे। उन्होंने कहा कि अपराधियों पर कार्रवाई और आरोपियों की गिरफ्तारी में शिथिलता बर्दाश्त नहीं होगी। आरोपियों की गिरफ्तारी न होने और मुकदमे में दबाव जैसी शिकायतों पर मुख्यमंत्री ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने शासन स्तर के अधिकारियों को निर्देश दिया कि जिन जनपदों में ऐसे मामले अधिक आ रहे हैं, वहां के पुलिस कप्तान की जवाबदेही तय की जाए।

दिल्ली लक्ष्मी योजना: 1.54 लाख महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया, 10,723 आवेदन जमा

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त

हाल ही में शुरू की गई ह्यदिल्ली लक्ष्मी योजनाह्ल को शहर की महिलाओं से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। सोमवार सुबह 7:48 बजे तक 1.54 लाख महिलाओं ने ऑफिशियल पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराया और 10,723 ने अपने फाइनल आवेदन जमा किए।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को आधिकारिक तौर पर दिल्ली लक्ष्मी योजना की शुरूआत की। उन्होंने योजना के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन पोर्टल ह्यडब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू डॉट डीएलवाई डॉट दिल्ली डॉट जीओवी डॉट इनह्ल का भी उद्घाटन किया।

पोर्टल के लाइव होने के 12 घंटों के भीतर ही शहर की महिलाओं ने 33,730 से ज्यादा रजिस्ट्रेशन कराए। एक अधिकारी ने बताया कि इस दौरान 1,940 फाइनल आवेदन जमा किए गए। इस योजना के तहत, योग्य महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपए की आर्थिक मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिर्फ सीधी आर्थिक मदद से आगे बढ़कर, इस योजना का मकसद महिलाओं को बचत, डिजिटल फाइनेंशियल समावेशन, सामाजिक सुरक्षा और लंबे समय की आर्थिक स्थिरता से जोड़ना है, जिससे यह देश में एक अनोखा मॉडल बन सके।

लॉन्च इवेंट में लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार ने विधानसभा चुनावों के दौरान महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का जो वादा किया था, उसे पूरा किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली कैबिनेट ने शुरू में इस योजना को ह्यमहिला समृद्धि योजनाह्ल के तौर पर मंजूरी दी थी, लेकिन बाद में महिलाओं के सम्मान, समृद्धि और आर्थिक सशक्तिकरण के व्यापक विजन को बेहतर ढंग से दिखाने के लिए इसका नाम बदलकर ह्यदिल्ली लक्ष्मी योजनाह्ल कर दिया गया।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि यह योजना शुरू में तीन साल के लिए लागू की जाएगी और इससे लगभग 17 लाख महिलाओं को फायदा होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि इस योजना को आम नकद सहायता कार्यक्रमों से अलग तरह से डिजाइन किया गया है। लाभार्थी अपनी व्यक्तिगत जरूरतों के आधार पर दो वित्तीय विकल्पों में से चुन सकेंगी। पहले विकल्प के तहत, रोजमर्रा के खर्चों को पूरा करने के लिए हर महीने 1,000 रुपए सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) वॉलेट में जमा किए जाएंगे, जबकि बाकी 1,500 रुपए आरडी/एफडी खाते में जमा किए जाएंगे। दूसरे विकल्प के तहत, हर महीने पूरे 2,500 रुपए आरडी/एफडी में जमा किए जाएंगे, जिससे लाभार्थियों को समय के साथ ब्याज सहित अच्छी-खासी बचत करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि इस तरह, इस योजना का मकसद तुरंत आर्थिक मदद के साथ-साथ लंबे समय के लिए आर्थिक सुरक्षा भी देना है।

कांवड़ यात्रा -2026 की अवधि में पानीपत अधिकार क्षेत्र में बुचडखाने व मीट की दुकानें आगामी 11 अगस्त तक बंद रहेगी: उपायुक्त

पानीपत, यूटर्न/ 03 अगस्त । जिलाधीश डॉ. हरिश कुमार वशिष्ठद्द ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के तहत आदेश जारी किए हैं। आदेशानुसार कांवड़ यात्रा-2026 की अवधि के दौरान जिला पानीपत के अधिकार क्षेत्र में सभी बूचडखाने और मीट की दुकानें आगामी 11 अगस्त 2026 तक बंद रहेंगी। कावड़ यात्रा 11 अगस्त तक चलेगी। इस दौरान, हरिद्वार और नीलकंठ से पवित्र गंगा जल लेने वाले भक्त सनौली में यमुना ब्रिज के रास्ते पानीपत जिले से होते हुए हरियाणा के अलग-अलग दूसरे जिलों में जाएँगे और जबकि, कई स्लॉटर हाउस और मीट की दुकानें मंदिरों के पास और कांवड़ यात्रा के रास्ते में हैं। श्रावण के समय ऐसी जगहों के चलने से धार्मिक भावनाएं बढ़ सकती हैं और सांप्रदायिक सद्भाव और सार्वजनिक शांति भंग होने का खतरा है। इसलिए जिले में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए 11 अगस्त तक स्लॉटर हाउस/मीट की दुकानों को बंद करना जरूरी है। आदेशानुसार पुलिस अधीक्षक, पानीपत और कमिश्नर, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन, पानीपत, इस ऑर्डर को सख्ती से लागू करने और पालन करने के लिए संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों को जरूरी निर्देश देंगे।

संक्षिप्त खबरें

पूर्व प्रेमी ने दी वीडियो वायरल करने की धमकी, प्राथमिकी दर्ज

इंदिरापुरम, यूटर्न/ 03 अगस्त । थानाक्षेत्र में रहने वाली एक युवती ने इटावा निवासी उत्कर्ष यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। युवक पीड़िता का पूर्व प्रेमी है और उस पर निजी वीडियो वायरल करने की धमकी देने और पीछा कर परेशान करने का आरोप है। पुलिस ने दो अगस्त को मामला दर्ज कर जांच शुरू की है। दर्ज मामले में युवती ने बताया कि कॉलेज के समय से वह युवक के साथ प्रेम-संबंध में रह रही थी। इस दौरान आरोपी ने उसके निजी फोटो-वीडियो मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिए। कुछ दिन बाद दोनों अलग हो गए और बातचीत बंद हो गई। आरोप है कि युवक अब भी उसे परेशान कर रहा है। कार्यालय जाते समय उसका पीछा करता है और कभी फोटो-वीडियो रिश्तेदारों को भेजने तो कभी मारने की धमकी दे रहा है। मानसिक रूप से प्रताड़ित होने और डर के चलते युवती ने पुलिस से शिकायत की। एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द ही गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया जाएगा।

फर्जी हस्ताक्षकर कर बीमा पॉलिसी बदली, जांच शुरू

साहिबाबाद, यूटर्न/ 03 अगस्त । थानाक्षेत्र के श्याम पार्क एक्सटेंशन निवासी सुरेंद्र कुमार अरोड़ा ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ पुलिस को धोखाधड़ी के आरोप में तहरीर सौंपी है। उन्होंने युवक पर बीमा कर्मचारी बनकर फर्जी हस्ताक्षर करके पॉलिसी बदलने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस को दी तहरीर में सुरेंद्र कुमार ने बताया कि जून 2023 में वह राजेंद्र नगर स्थित एक निजी बैंक की शाखा में गए थे। यहां उन्हें एक बीमा कर्मी मिला। उसके बार-बार कहने पर उन्होंने एक लाख रुपये का बीमा करा लिया। आरोप है कि 29 जून 2023 को आरोपी ने फर्जी हस्ताक्षर कर पॉलिसी रद्द कर दी और उनकी पत्नी के नाम से नई पॉलिसी शुरू कर दी। इसी बीच वह दो लाख रुपये प्रीमियम और किश्तों का भुगतान कर चुके थे। इस वर्ष उन्हें फजीवाड़े का पता चला। जब उन्होंने इसका विरोध किया तब आरोपी ने केवल 37 हजार रुपये मिलने की बात कही। पीड़ित ने बताया कि उन्हें दो लाख रुपये से भी अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ है। इसके बाद उन्होंने पुलिस से शिकायत की। प्रभारी एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि जांच की जा रही है, फर्जी हस्ताक्षर करने वाले बीमा कर्मी से भी संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है। जल्द हिरासत में लेकर मामले का खुलासा किया जाएगा।

लक्ष्मी योजना की शर्तों से 10% महिलाओं को भी नहीं मिलेगा लाभ: केजरीवाल

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली सरकार की लक्ष्मी योजना में लगाए गए पात्रता संबंधी प्रावधानों को लेकर भाजपा सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार को पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार से सीख लेते हुए बिना शर्त सभी महिलाओं को योजना का लाभ देना चाहिए।

सोमवार को जारी बयान में केजरीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार की मावां-धीयां सत्कार योजना में किसी प्रकार की शर्त नहीं रखी गई है। यदि किसी परिवार में चार महिलाएं हैं तो सभी को योजना का लाभ मिलता है। इसके विपरीत, दिल्ली की लक्ष्मी योजना में 10 वर्ष से दिल्ली में निवास का प्रमाण और सांसद या विधायक की मंजूरी जैसी शर्तें रखी गई हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन शर्तों से स्पष्ट है कि सरकार सीमित संख्या में महिलाओं को ही योजना का लाभ देना चाहती है। उनके अनुसार, यदि सरकार की मंशा साफ होती तो इतनी शर्तें नहीं लगाई जातीं और सभी पात्र महिलाओं को योजना का लाभ मिलता। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सांसद और विधायक की मंजूरी को अनिवार्य बनाए जाने से यह संदेश जाता है कि योजना का लाभ केवल भाजपा से जुड़े लोगों तक सीमित रखने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा शर्तों के कारण दिल्ली की 10 प्रतिशत महिलाओं को भी योजना का लाभ मिल पाना मुश्किल होगा।

उन्होंने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार ने योजना के लाभार्थियों के बीच अमीर-गरीब, जाति या अन्य किसी आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया है। केजरीवाल ने कहा कि यदि दिल्ली सरकार की नीयत भी साफ है तो उसे पंजाब की तरह बिना भेदभाव और बिना अतिरिक्त शर्तों के सभी महिलाओं को लक्ष्मी योजना का लाभ देना चाहिए।

सावन माह के प्रथम सोमवार को भगवान शिव का रुद्राभिषेक व जलाभिषेक किया

पानीपत, यूटर्न/ 03 अगस्त । भगवान शिव के प्रिय सावन महीने के प्रथम सोमवार के दिन युवा शक्ति ध्वजारोहण समिति के सदस्यों व पदाधिकारीयों द्वारा सेठी चौक स्थित संत द्वारा हरी मंदिर में भगवान शिव का रुद्राभिषेक एवं जलाभिषेक किया गया गया। शिव के भक्तों द्वारा रुद्राभिषेक एवं जलाभिषेक उपरांत भगवान शिव की पूजा अर्चना की। और प्रसाद वितरित किया गया। संत द्वारा हरी मंदिर में सुबह से ही भक्तजनों की भीड़ में काफी उत्साह देखने को मिला ।

'नकली धर्मगुरुओं' के खिलाफ कार्रवाई करना क्यों आवश्यक है ? डॉ. सत्यवान सौरभ

लाल वस्त्र धारण करने मात्र से ही कोई धर्मगुरु बाबा नहीं बन जाता, त्याग की भावना होना भी जरूरी।

कुछ बाबा तो अपने आपको भगवान मानने लग जाते है और बगल में आकर कोई विद्वान भी बैठ जाए तो आग बबूला हो जाते है।

» संजीव कुमारी

हिसार, यूटर्न/ 03 अगस्त । भारत को हमेशा से संतों, ऋषियों और आध्यात्मिक ज्ञान की भूमि के रूप में जाना जाता रहा है। सदियों से पवित्र पुरुष और महिलाएं दूसरों को करुणा, सत्य, आत्म-अनुशासन और सेवा के साथ जीवन जीने के लिए प्रेरित करते रहे हैं। विभिन्न सुधारकों और संतों के सिद्धांतों ने भारतीय समाज को व्यापक रूप से प्रभावित किया है और लोगों को अज्ञानता, अंधविश्वास और सामाजिक बाधाओं से ऊपर उठने के लिए प्रेरित किया है। लाखों भारतीयों के जीवन में आस्था का सर्वोपरि स्थान है, क्योंकि यही पवित्रता परम वास्तविकता है। लेकिन देश में ऐसे लोगों का उदय हुआ है जो अपनी निजी जरूरतों को पूरा करने के लिए धार्मिक भावनाओं का दुरुपयोग करते हैं, जिन्हें 'धर्मगुरु' का उपनाम दिया गया है। वे धन, प्रभाव और निर्विवाद सत्ता के साम्राज्य स्थापित करने के लिए तथाकथित 'आध्यात्मिक भाषा' को बढ़ावा देते हैं। कुछ धर्मगुरु बाबा तो लाल वस्त्र धारण कर अपने आप को भगवान भी कहलवाते है और बगल में आकर कोई विद्वान भी बैठ जाए तो आग बबूला हो जाते है त्याग दया की भावना तो है ही नहीं।

भारत में कई मामलों में ऐसी महिलाओं पर यौन शोषण, संपत्ति मालिक को धोखा देना, अवैध भूमि अधिग्रहण, धमकी आदि जैसे गंभीर अपराधों का आरोप लगाया गया है या उन्हें दोषी ठहराया गया है। इससे न केवल ये प्रथाएं अवैध हो जाती हैं, बल्कि धार्मिक रूप से आध्यात्मिक प्रथाओं का पालन करने वालों की प्रतिष्ठा भी धूमिल होती है।

शिक्षा भारती विद्या निकेतन, कलायत के चार विद्यार्थियों का राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता हेतु चयन

» रवि जैस्ट

कलायत, यूटर्न/ 03 अगस्त । शिक्षा भारती विद्या निकेतन, कलायत के लिए अत्यंत गर्व एवं हर्ष का विषय है कि विद्यालय के चार प्रतिभाशाली विद्यार्थियों का विभिन्न खेल विधाओं की राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं के लिए चयन हुआ है। विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से विद्यालय परिवार, अभिभावकों एवं क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत, खेल प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन तथा विद्यालय में उपलब्ध उत्कृष्ट खेल सुविधाओं का परिणाम है। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित खिलाड़ियों में आरुषि, पुत्री श्री रिंकू राणा, अंडर-14 कुश्ती वर्ग, चाहत, पुत्री श्री राजबीर सिंह, अंडर-14 ताइक्वांडो वर्ग, विहान ढूल, पुत्र श्री प्रदीप ढूल, अंडर-14 क्रिकेट वर्ग तथा दीप सिंह, पुत्र श्री कुलदीप सिंह, अंडर-14 एथलेटिक्स वर्ग शामिल हैं। विद्यालय परिवार ने सभी चयनित खिलाड़ियों एवं उनके अभिभावकों को इस उपलब्धि पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएँ दीं।

विद्यालय के चेयरमैन कुलदीप सिंह ने विद्यार्थियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि शिक्षा भारती विद्या निकेतन सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

यूटर्न टाइम THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

आरएसएस-भाजपा की तानाशाही के आगे नहीं झुकेगा देश का युवा : एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल

बीजेपी के टूटते तिलिस्म से बौखलाई आरएसएस कर रही हैं युवाओं का अपमानः एडवोकेट बजरंग इंदल

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 03 अगस्त । कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट हरियाणा के स्टेट चेयरमैन एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल और स्टेट मीडिया कॉर्डिनेटर एडवोकेट बजरंग इंदल ने आरएसएस सह-सरकार्यवाह अतुल लिमये द्वारा जंतर-मंतर पर हुए छात्र आंदोलन को 'राष्ट्रविरोधी' और 'संविधान-विरोधी' बताते हुए 'केस स्टडी' कराने की मांग वाले बयान पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जिस संगठन का खुद का इतिहास तिरंगे और संविधान के विरोध का रहा हो उसे देश के युवाओं की देशभक्ति पर सवाल उठाने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है ।उन्होंने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि संघ का यह बयान सीधे तौर पर मोदी सरकार के मुंह पर तमाचा है क्योंकि जिस छात्र आंदोलन के दबाव में आकर केंद्र सरकार को झुकना पड़ा, वार्ता करनी पड़ी और तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा तक लेना पड़ा उसे आज 'एंटी-नेशनल' कहना केवल राजनीतिक बौखलाहट है ।अगर आंदोलन देशविरोधी था तो क्या मोदी सरकार ने देशविरोधियों के आगे घुटने टेके थे? एडवोकेट खोवाल और एडवोकेट इंदल ने कहा कि पहले अन्नदाता किसानों को 'आतंकवादी' व 'खालिस्तानी' कहा गया और अब बदहाल शिक्षा व्यवस्था,पेपर लीक, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठा रहे छात्रों को 'देशद्रोही' ठहराया जा रहा है जबकि अगस्त के इस पवित्र क्रांति माह में युवाओं का यह अपमान स्वतंत्रता सेनानियों की विरासत पर करारा थप्पड़ है।

कॉमनवेल्थ गेम्स में हरियाणा का दम, 11 पदकों से दुनिया में गूंजा प्रदेश का नाम : सुभाष सुधा

7 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य पदक जीतकर खिलाडियों ने फिर किया साबित

» परमिंदर सिंह

कुरुक्षेत्र, यूटर्न/ 03 अगस्त । हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कॉमनवेल्थ गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए 7 स्वर्ण, 2 रजत और 2 कांस्य सहित कुल 11 पदक जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाने वाले सभी खिलाडियों, उनके प्रशिक्षकों एवं परिजनों को हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के खिलाडियों ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और कड़ी मेहनत के दम पर एक बार फिर विश्व मंच पर प्रदेश का नाम रोशन किया है। खिलाडियों की यह ऐतिहासिक उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि सात स्वर्ण पदकों समेत ग्यारह पदक जीतना हरियाणा के लिए गर्व की बात है। खिलाडियों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि हरियाणा की धरती पर प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। कड़ी मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर प्रदेश के खिलाडियों ने दुनिया के बड़े खेल मंच पर देश और हरियाणा का नाम रोशन किया है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि में हरियाणा की बेटियों की भूमिका भी बेहद महत्वपूर्ण है। महिला खिलाडियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से न केवल पदक जीते, बल्कि प्रदेश की बेटियों के सामने नई मिसाल कायम की है। उनकी सफलता यह संदेश देती है कि बेटियों को अवसर और उचित मंच मिले तो वे हर क्षेत्र में देश का गौरव बढ़ा सकती हैं। पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में खेलों के प्रति सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है।

नामदेव सभा ने धर्मशाला के लिए भूमि उपलब्ध करवाने की मांग को लेकर मंत्री रणबीर गंगवा से की मुलाकात, प्रदेश अध्यक्ष सतबीर वर्मा रहे उपस्थित

» **हरियाणा, यूटर्न/ 03 अगस्त ।**

विश्राम गृह पानीपत में आज नामदेव सभा के प्रधान रोशन लाल रोहिल्ला के नेतृत्व में पूर्व चेयरमैन एवं प्रदेश अध्यक्ष नामदेव सभा सतबीर वर्मा तथा समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा से मुलाकात की। इस दौरान सभा की ओर से पानीपत में समाज की धर्मशाला के लिए सरकार की तरफ से भूमि उपलब्ध करवाने की मांग को लेकर माननीय मुख्यमंत्री के नाम प्रार्थना पत्र मंत्री जी को सौंपा गया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष सतबीर वर्मा ने बताया कि समाज की ओर से धर्मशाला के लिए भूमि उपलब्ध करवाने की मांग मुख्यमंत्री के समक्ष चंडीगढ़ तथा हिसार में आयोजित समाज के सम्मेलनों के दौरान भी रखी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा समाज के लिए घोषित अनुदान राशि प्राप्त हो चुकी है, जबकि समाज की कुछ अन्य मांगें अभी पूरी होनी बाकी हैं। इन मांगों को लेकर जल्द ही कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा के साथ मुख्यमंत्री से मुलाकात कर उन्हें पूरा करवाने का प्रयास किया जाएगा।

सतबीर वर्मा ने बताया कि नवंबर-दिसंबर में दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय समाज सम्मेलन के लिए भी मुख्यमंत्री एवं कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा को निमंत्रण देने के लिए समाज के प्रतिनिधिमंडल द्वारा मुलाकात की जाएगी। नामदेव सभा के प्रधान रोशन लाल रोहिल्ला ने सभा के सदस्यों के साथ कैबिनेट मंत्री रणबीर गंगवा का अभिवादन किया। मंत्री रणबीर गंगवा ने समाज के लोगों को एकजुटता बनाए रखने तथा सामाजिक कार्यों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर सतबीर वर्मा ने समाज के लोगों से आ'ान किया कि नवंबर-दिसंबर में दिल्ली में होने वाले राष्ट्रीय समाज सम्मेलन में पानीपत जिले से अधिक से अधिक संख्या में समाज के लोग भाग लें और सम्मेलन को सफल बनाने में अपना योगदान दें।

जो तेरा हक है मिलकर रहेगा तुझे, घर में मत कर बखेड़ा तू बे बात का : युवा शायर रामेश्वर देव

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 03 अगस्त । विकास क्लब साहित्य कला मंच कुंजपुरा की ओर से क्लब परिसर में कवि दरबार सजाया गया, जिसकी अध्यक्षता पानीपत से पहुंचे वरिष्ठ शायर इकबाल पानीपती ने की। मुख्य अतिथि वरिष्ठ शायर डॉ.कमर रईस व वरिष्ठ शायर हरबंस पथिक व गुरमुख सिंह वड़ैच रहे, अध्यक्ष, मुख्य अतिथि विशिष्ट अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की।

कार्यक्रम अध्यक्ष शायर इकबाल पानीपती ने कहा. खिले तो कैसे खिले आस के चमन में गुलाब, अभी खिजाओ का मौसम है क्या किया जाए, मुख्य अतिथि शायर डॉ. कमर रईस ने कहा तअस्सुब ने फूंके जहां कैसे,फना हो गये मेहरबां कैसे कैसे, शायर हरबंस पथिक ने कहा गिनवा तो दिये उसने मेरे गुनाह तमाम,पर दाग अपने दामन के सारे छिपा लिये, कार्यक्रम संचालक व संस्था संस्थापक वरिष्ठ कवि प्रेम पाल सागर ने कहा कोई कहता है अजल कोई कहता जहर के प्याले,इन आंखों के चिरागों को क्या क्या नाम दें डाले, शायर रामेश्वर देव ने कहा. जो तेरा हक है मिलकर रहेगा तुझे, घर में मत कर बखेड़ा तू बे बात का, कवि दलीप खरेरा ने कहा झूठ से हमने पूछा लिया झूठ तू अपना सच बता,तू जिसे है सच समझता सब से बड़ा है झूठ तेरा, युवा शायर सचिन पाल ने कहा भ्रष्टाचार की चली दुकान देखकर, नेताओं की झूठी जुबान देखकर घबराता हूं मैं, कवयित्री ममता प्रवीण ने कहा आश्चर्य है जनता ईश्वर को लाचार समझती है, ना समझ उसको,खुद को समझदार समझती है,कवि राजपाल राजन ने कहा जब तक अनुशासन मुक्कमल नहीं होता,हमारी परेशानियों का हल नहीं होता, मधुर आवाज के धनी गुरमुख सिंह वड़ैच ने पढ़ा लोन वाली माफी की किताब चाहिए, बैंकों की बेहाली का हिसाब चाहिए,मामराज पाल ने कहा मेरी लाडली बात मानले,नहीं तो घनी पछतावेगी, रोहतक सैणी ने कहा तुझको पाकर मुक्कमल हो गया था, कवि संदीप सरल ने कहा कारगिल को याद करके दुखता है दिल , अश्विनी शर्मा ने कहा पढ़ें लिखे जवानों का आंदोलन देखिये,बेईतहां गालियों का भददा चलन देखिये,इस अवसर पर पूर्ण वत्स,पारस गहलोत,शैजल गहलोत, हरिओम पांचाल, संदीप बांवरा,खुशहाल रोजडा, रोहित, अमित कामरा ने प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का मंच संचालन कवि प्रेम पाल सागर ने किया। कार्यक्रम में ग्राम सरपंच, आर्य समाज प्रधान अनिल आर्य , परविंदर भाटिया, विक्की सिंह, राकेश राणा, विकास अरोड़ा, रविन्द्र, महेन्द्र, रामनाथ,देव बतान, दुर्गेश, साल्वी कांबोज,अवनी, आदित्य आर्य,हविश, विनोद, अन्सूल राणा, कर्ण, कृष्णा,रवि चौहान, सुलोचना,किरण,अनिता, उपस्थित रहे।

हैमर थ्रो में एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के दो खिलाड़ियों का राज्य स्तर पर चयन

पानीपत, यूटर्न/ 03 अगस्त । एसडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जी.टी. रोड, पानीपत के लिए गर्व का विषय है कि विद्यालय के होनहार खिलाड़ी निखिल एवं चंदन का हरियाणा स्कूली खेलों की राज्यस्तरीय प्रतियोगिता के लिए हैमर थ्रो स्पर्धा में चयन हुआ है। निखिल का चयन अंडर-17 वर्ग तथा चंदन का चयन अंडर-19 वर्ग में हुआ है। दोनों खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन, अनुशासित अभ्यास एवं दृढ़ संकल्प के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है। इस सफलता का श्रेय खिलाड़ियों की मेहनत के साथ-साथ विद्यालय के खेल प्रशिक्षक सोनू पीटीआई के समर्पित मार्गदर्शन को भी जाता है। विद्यालय के प्रधान श्री प्रमोद बंसल ने दोनों खिलाड़ियों, उनके अभिभावकों, खेल प्रशिक्षक सोनू पीटीआई तथा समस्त विद्यालय परिवार को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भी उत्कृष्ट प्रतिभाओं को निरंतर प्रोत्साहित करता है।

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, उकलाना मंडी में वृक्षारोपण अभियान एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम का सफल आयोजन

» **हरियाणा, यूटर्न/ 03 अगस्त ।**

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, उकलाना मंडी में सोमवार, 3 अगस्त 2026 को वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत एक प्रेरणादायी एवं जागरूकता कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में , माननीय प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट, बरवाला श्री सुनील कुमार, माननीय उपमंडल न्यायिक मजिस्ट्रेट, श्री राकेश कुमार ,बरवाला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री संदीप रार व एडवोकेट श्री सतबीर सोनी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विद्यालय परिसर में अतिथियों का भव्य एवं गरिमामय स्वागत एनसीसी कैडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर (ठउउ ढंर्१ी) के माध्यम से किया गया। इसके उपरांत सभी अतिथियों ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का सशक्त संदेश दिया।

अपने प्रेरणादायी संबोधन में अतिथियों ने विद्यार्थियों को बड़ों का सम्मान करने, उत्तम संस्कार अपनाने, अनुशासित जीवन जीने तथा निरंतर परिश्रम के माध्यम से शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को ऑनलाइन एवं साइबर धोखाधड़ी से सतर्क रहने तथा किसी भी प्रकार के प्रलोभन एवं फर्जी कॉल से बचने की भी सलाह दी।

विद्यालय के प्रधानाचार्य भुवनेश भारद्वाज ने अपने संदेश में कहा कि वृक्षारोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का कार्य नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने विद्यार्थियों से अधिक से अधिक पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल करने का आग्रह किया।

विद्यालय के निदेशक डॉ सतीश भारती अपने संदेश में कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक मूल्य, अनुशासन, उत्तरदायित्व और सामाजिक जागरूकता का विकास करना भी है। उन्होंने कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं और प्रत्येक विद्यार्थी को पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ ईमानदारी, सदाचार एवं राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार द्वारा सभी विशिष्ट अतिथियों को स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके प्रति आभार व्यक्त किया गया। यह आयोजन विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक जागरूकता का एक महत्वपूर्ण संदेश लेकर आया।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

देश की सबसे बड़ी परीक्षा: सरकार बनाम भरोसा

संदीप शर्मा

भारतीय जनता पार्टी ने पिछले दशक में कई राजनीतिक तूफानों का सामना किया है। उसने विपक्षी गठबंधनों, किसानों के विरोध-प्रदर्शनों, बेरोजगारी पर बहस और महंगाई को लेकर आलोचनाओं का सामना किया है। फिर भी, परीक्षा में कथित गड़बड़ियों को लेकर छात्रों के नेतृत्व में हो रहे विरोध-प्रदर्शनों की ताजा लहर एक अलग तरह की चुनौती पेश करती है। इसकी जड़ें विचारधारा, धर्म या जाति में नहीं हैं। इसकी जड़ें गवर्नेंस (शासन-व्यवस्था) में हैं।

यह फर्क बहुत अहम है: 'कॉकरोच जनता पार्टी' (CJP) के नेतृत्व में शुरू हुए ये विरोध-प्रदर्शन बार-बार परीक्षा के पेपर लीक होने और भर्ती प्रक्रियाओं में गड़बड़ियों के आरोपों को लेकर शुरू हुए थे। लेकिन तब से ये लाखों युवा भारतीयों की निराशा की एक व्यापक अभिव्यक्ति बन गए हैं, जिनका मानना है कि सिस्टम काबिलियत (मेरिट) को सही इनाम देने में नाकाम हो रहा है। पिछले आंदोलनों के उलट, यह आंदोलन किसी नए कानून की मांग नहीं करता और न ही किसी खास नीति का विरोध करता है। इसके बजाय, यह एक कहीं ज्यादा बुनियादी सवाल पूछता है: क्या भारतीय राज्य निष्पक्षता की गारंटी दे सकता है? ऐसी सरकार के लिए जिसने अपनी ज्यादातर राजनीतिक अपील कार्यकुशलता, काम पूरा करने और प्रशासनिक क्षमता के आधार पर बनाई है, यह सवाल उसके गवर्नेंस मॉडल की जड़ पर चोट करता है। बीजेपी की सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत लंबे समय से खुद को ऐसी पार्टी के तौर पर पेश करने की रही है जो काम पूरा करके दिखाती है। हाईवे बनते हैं, डिजिटल पेमेंट बढ़ते हैं, रेलवे स्टेशनों का आधुनिकीकरण होता है, कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों तक पहुँचता है और सार्वजनिक सेवाओं को तेजी से डिजिटल किया जा रहा है। संदेश हमेशा एक जैसा रहा है: आज भारत का शासन पहले के मुकाबले ज्यादा कुशलता से चल रहा है। लेकिन गवर्नेंस को सिर्फ. इंफ्रास्ट्रक्चर और कल्याणकारी योजनाओं के लाभ पहुँचाने के आधार पर नहीं आंका जाता। इसे इस आधार पर भी आंका जाता है कि क्या संस्थाओं पर जनता का भरोसा है या नहीं।

परीक्षा प्रणाली ऐसी ही एक संस्था है: लाखों मध्यम-वर्गीय परिवारों के लिए, प्रतियोगी परीक्षाएं सामाजिक तरक्की का एकमात्र भरोसेमंद जरिया होती हैं। माता-पिता अपनी बरसों की बचत इसमें लगा देते हैं। सरकारी नौकरी या किसी प्रतिष्ठित संस्थान में दाखिले की चाह में छात्र अपनी दोस्ती, फुर्सत के पल और अक्सर अपनी मानसिक सेहत की भी कुबार्नी दे देते हैं। जब कोई पेपर लीक होता है या भर्ती प्रक्रिया रद्द कर दी जाती है, तो सिर्फ. एक परीक्षा ही नहीं छूटती। बल्कि उस वादे पर से भरोसा भी उठ जाता है कि कड़ी मेहनत का फल जरूर मिलेगा। यही वजह है कि पेपर लीक होने पर लोगों की भावनात्मक प्रतिक्रिया कई अन्य प्रशासनिक नाकामियों की तुलना में कहीं ज्यादा तीखी होती है। मौजूदा आंदोलन का महत्व इसके सामाजिक स्वरूप में भी निहित है। पहले हुए कई विरोध-प्रदर्शनों के उलट, यह किसी एक जाति, धर्म या क्षेत्र तक सीमित नहीं है। हर समुदाय में ऐसे छात्र हैं जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। हर परिवार इनसे जुड़ी बेचैनी को समझता है। इस वजह से इस मुद्दे को राजनीतिक तौर पर अलग-थलग करना या नजरअंदाज करना मुश्किल हो गया है। विरोध-प्रदर्शनों की भाषा भी उतनी ही अहम है। आज के युवा पारंपरिक छात्र संगठनों के बजाय मीम्स, व्यंग्य, सोशल मीडिया और विकेंद्रीकृत नेटवर्क के जरिए एकजुट हो रहे हैं। और व्यंग्य का जवाब देना मुश्किल होता है। उन्हें वैचारिक नारों से ज्यादा संस्थागत जवाबदेही में दिलचस्पी है। उनकी मांग सीधी-सी है: अगर मौके का आधार मेरिट है, तो सिस्टम खुद भी पूरी तरह निष्पक्ष और दोष-मुक्त होना चाहिए। इसलिए, चुनौती सिर्फ. अलग-अलग पेपर लीक मामलों की जांच करने तक सीमित नहीं है। असली चुनौती परीक्षा व्यवस्था में भरोसा बहाल करना है। इसके लिए मजबूत डिजिटल सुरक्षा, स्वतंत्र निगरानी, लीक में शामिल लोगों पर तुरंत कानूनी कार्रवाई और सबसे बढ़कर, गड़बड़ी होने पर पारदर्शी बातचीत की जरूरत है।

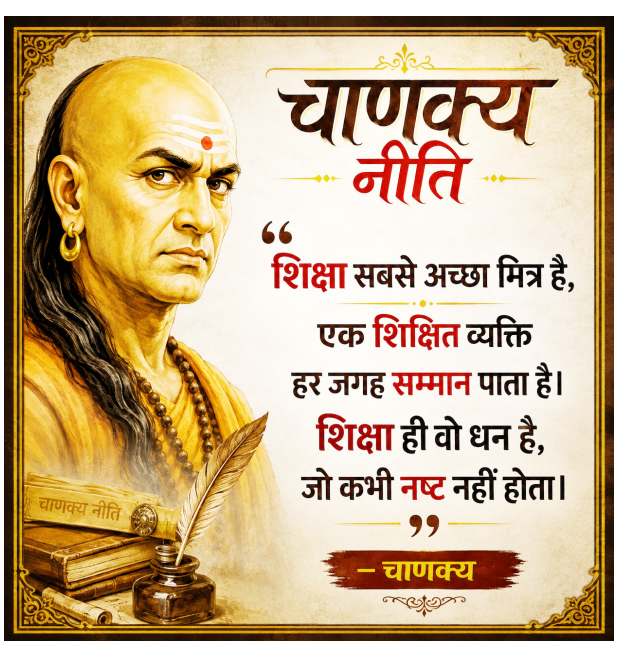

दो टूक- हॉकी की जर्सी पर सियासत, मैदान में प्रदर्शन की चुनौती

विवाद इसलिए बढ़ा है क्योंकि भारतीय हॉकी की पहचान पिछले कई दशकों से नीली जर्सी के साथ जुड़ चुकी है। जैसे ब्राजील की फुटबॉल टीम पीली जर्सी, अर्जेंटीना आसमानी-सफेद धारियों, न्यूजीलैंड 'ऑल ब्लैक्स' और ऑस्ट्रेलिया हरे-पीले रंग से पहचाने जाते हैं, उसी प्रकार भारतीय हॉकी की पहचान भी नीली जर्सी रही है। ओलंपिक स्वर्णिम इतिहास, विश्व कप की उपलब्धियां और अनेक ऐतिहासिक मुकाबलों की स्मृतियां इसी नीली जर्सी से जुड़ी रही हैं। यही कारण है कि पूर्व कप्तान धनराज पिल्लै, परगट सिंह और वीरेन रासकिन्हा जैसे खिलाड़ियों ने चिंता व्यक्त की कि कहीं यह परिवर्तन भारतीय हॉकी की स्थापित पहचान को कमजोर न कर दे।

योगेश कुमार गोयल

भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीम की पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर 15 अगस्त से शुरू हो रहे एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 में केसरिया रंग की मुख्य जर्सी पहनाने के निर्णय ने देशभर में नई बहस छेड़ दी है। यह बहस केवल खेल तक सीमित नहीं रही है बल्कि राजनीति, संस्कृति, राष्ट्रीय पहचान और खेल परंपरा तक पहुंच गई है। एक पक्ष इसे खिलाड़ियों की सुविधा और तकनीकी आवश्यकता से जुड़ा निर्णय बता रहा है तो दूसरा पक्ष इसे भारतीय खेलों के कथित 'भगवाकरण' के रूप में देख रहा है। सवाल यह है कि क्या वास्तव में जर्सी का रंग बदलना इतना बड़ा मुद्दा है या यह विवाद मूल प्रश्नों से ध्यान भटका रहा है? सबसे पहले यह समझना आवश्यक है कि हॉकी इंडिया ने जर्सी का रंग बदलने का निर्णय किन आधारों पर लिया। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और भारतीय हॉकी के महान खिलाड़ी रहे दिलीप तिर्की के अनुसार, आज अधिकांश अंतर्राष्ट्रीय हॉकी मुकाबले नीले सिंथेटिक एस्ट्रो टर्फ पर खेले जाते हैं। ऐसे में नीली जर्सी कई बार मैदान की पृष्ठभूमि में घुल-मिल जाती है, जिससे तेज गति वाले खेल में खिलाड़ियों को अपने साथी खिलाड़ियों की पहचान करने में कठिनाई होती है। आधुनिक हॉकी में खेल की गति अत्यंत तेज हो चुकी है, जहां एक सैकेंड का निर्णय मैच का परिणाम बदल सकता है। पासिंग, पोजिशनिंग और त्वरित निर्णय के लिए खिलाड़ियों की स्पष्ट दृश्यता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। इसी कारण खिलाड़ियों, कप्तानों, कोचों और सहयोगी स्टाफ से विचार-विमर्श के बाद अधिक स्पष्ट दिखाई देने वाले रंग के रूप में केसरिया को चुना गया। यदि यही वास्तविक कारण है तो इसे केवल तकनीकी दृष्टि से देखने में कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए। विश्व खेलों में जर्सी के रंग समय-समय पर बदले जाते रहे हैं। फुटबॉल, रग्बी, क्रिकेट, बास्केटबॉल और हॉकी जैसी लगभग सभी खेल प्रतियोगिताओं में टीमें प्रतियोगिता, दृश्यता, प्रायोजकों, प्रसारण गुणवत्ता और तकनीकी आवश्यकताओं के अनुसार अपनी जर्सियों में परिवर्तन करती रहती हैं। भारतीय हॉकी टीम इससे पहले 2014 विश्व कप में पीली तथा 2018 में हल्के नीले रंग की जर्सी पहन चुकी है। इसलिए रंग परिवर्तन स्वयं में कोई असाधारण घटना नहीं है। विवाद इसलिए बढ़ा है क्योंकि भारतीय हॉकी की पहचान पिछले कई दशकों से नीली जर्सी के साथ जुड़ चुकी है। जैसे ब्राजील की फुटबॉल टीम पीली जर्सी, अर्जेंटीना आसमानी-सफेद धारियों, न्यूजीलैंड 'ऑल ब्लैक्स' और ऑस्ट्रेलिया हरे-पीले रंग से पहचाने जाते हैं, उसी प्रकार भारतीय हॉकी की पहचान भी नीली जर्सी रही है। ओलंपिक स्वर्णिम इतिहास, विश्व कप की उपलब्धियां और अनेक ऐतिहासिक मुकाबलों की स्मृतियां इसी नीली जर्सी से जुड़ी रही हैं। यही कारण है कि पूर्व कप्तान धनराज पिल्लै, परगट सिंह और वीरेन रासकिन्हा जैसे खिलाड़ियों ने चिंता व्यक्त की कि कहीं यह परिवर्तन भारतीय हॉकी की स्थापित पहचान को कमजोर न कर दे।

पूर्व दिग्गज हॉकी खिलाड़ियों की चिंता को भी खारिज नहीं किया जा सकता। खेल केवल तकनीक नहीं, भावनाओं और विरासत का भी विषय होता है। जर्सी केवल कपड़े का टुकड़ा नहीं बल्कि करोड़ों प्रशंसकों की स्मृतियों, खिलाड़ियों के गौरव और राष्ट्रीय खेल संस्कृति का प्रतीक होती है। इसलिए ऐसे किसी भी बड़े परिवर्तन से पहले व्यापक संवाद और पारदर्शिता अपेक्षित थी। यदि हॉकी इंडिया खिलाड़ियों और विशेषज्ञों के साथ-साथ पूर्व खिलाड़ियों तथा खेल समुदाय को भी इस निर्णय प्रक्रिया से जोड़ती तो शायद विवाद की तीव्रता कम होती। दूसरी ओर इस पूरे विवाद का राजनीतिक स्वरूप भी कम चिंताजनक नहीं है। विपक्षी दलों ने इसे 'खेलों का भगवाकरण' करार दिया है जबकि कई समर्थकों ने इसे राष्ट्रीय अस्मिता का प्रतीक बताया। वस्तुतः दोनों अतिवादी दृष्टिकोण खेल भावना के अनुकूल नहीं हैं। किसी भी रंग का अपना कोई धर्म नहीं होता। रंग प्रतीकों का अर्थ समय, संस्कृति और संदर्भ के अनुसार बदलता रहता है। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में केसरिया रंग त्याग, साहस और समर्पण का प्रतीक है।

विश्व स्तनपान सप्ताह : हर माँ को मिले सहयोग, हर शिशु को मिले पोषण

सुनील कुमार महला

शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूकता बढ़ाने के क्रम में प्रतिवर्ष 1ञ7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। वास्तव में इस दिवस मनाने के पीछे मुख्य उद्देश्य सभी माताओं, परिवारों, स्वास्थ्यकर्मियों और नीति-निमार्ताओं को स्तनपान के महत्व के प्रति जागरूक करना तथा प्रत्येक शिशु को जीवन की सर्वोत्तम शुरूआत दिलाना है। इस अभियान को विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ के साथ ही साथ वर्ल्ड अलायंस फोर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन का व्यापक समर्थन प्राप्त है। हाल फिलहाल, यहां यदि हम इस दिवस के इतिहास की बात करें तो पाठकों को बताता चलूं कि इस सप्ताह को मनाने की शुरूआत 1992 में वर्ल्ड अलायंस फॉर ब्रेस्टफीडिंग एक्शन (डब्ल्यूएबीए) ने विश्व स्वास्थ्य संगठन और यूनिसेफ के साथ मिलकर की थी। उल्लेखनीय है कि अगस्त 1990 में दुनिया भर के नीति निमार्ताओं द्वारा हस्ताक्षरित इन्नोसेंटी घोषणा पत्र की याद में ही हर साल अगस्त के पहले सप्ताह को चुना गया था।

इस साल(वर्ष 2026 में) इस दिवस की थीम-जीवन की सतत एवं स्वस्थ शुरूआत के लिए स्तनपानः जो प्रभावी है, उसे और सशक्त बनाएं। रखी गई है। वास्तव में, इस थीम का संदेश है कि माताओं को हर स्तर पर सहयोग मिले, ताकि वे अपने बच्चों को आसानी और सुरक्षित रूप से स्तनपान करा सकें। मतलब यह है कि सरकार, अस्पताल, कार्यस्थल, परिवार और समाज मिलकर एक ऐसा माहौल बनाएँ,

जिससे हर माँ बिना किसी कठिनाई के अपने शिशु को सुरक्षित और सफलतापूर्वक स्तनपान करा सके। जन्म के छह माह तक हर शिशु को केवल मां के दूध की आवश्यकता होती है। मां का दूध शिशु के लिए वरदान है। मां का दूध शिशु को पोषण व अच्छा स्वास्थ्य देता है तथा शिशु मृत्यु दर और कुपोषण को कम करता है, इसलिए प्रत्येक शिशु के लिए मां का दूध बहुत ही जरूरी और महत्वपूर्ण है। जन्म के तुरंत बाद आने वाला गाढ़ा पीला दूध लिक्विड गोल्ड कहलाता है। इसमें इतने ज्यादा इम्यून सेल्स होते हैं कि इसे बच्चे का पहला प्राकृतिक टीका (फर्स्ट वैक्सीन) माना जाता है। सच तो यह है कि स्तनपान से मां और बच्चे का डीएनए संवाद संभव हो पाता है। मां के दूध में प्राकृतिक रूप से एंडोर्फिन और अन्य ऐसे तत्व होते हैं जो बच्चे को दर्द और तनाव से राहत दिलाते हैं। दुनिया भर में चिकित्सक जन्म के पहले घंटे के भीतर स्तनपान शुरू करने की सलाह देते हैं तो इसके पीछे विशेष कारण हैं। कहना गलत नहीं होगा कि पहले 6 महीने तक केवल माँ का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार माना जाता है।स्तनपान से शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा संक्रमण का खतरा कम होता है। इतना ही नहीं, स्वयं माँ के लिए भी स्तनपान लाभकारी है; यह प्रसवोत्तर स्वास्थ्य सुधार और कुछ रोगों के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकता है। इतना ही नहीं, यह परिवार की आर्थिक बचत और पर्यावरणीय स्थिरता में भी योगदान देता है। दरअसल,माँ का दूध प्राकृतिक रूप से उपलब्ध होता है, इसलिए शिशु आहार खरीदने की आवश्यकता कम या नहीं पड़ती।और तो और बोतल, निप्पल, स्टेरिलाइजर और अन्य सामान पर होने वाला खर्च बचता है। सच तो यह है कि स्तनपान करने वाले शिशु अपेक्षाकृत कम बीमार पड़ते हैं, जिससे दवाइयों और अस्पताल के खर्च में भी कमी आ सकती है।माँ का दूध बनाने के लिए किसी कारखाने, पैकेजिंग या लंबी दूरी के परिवहन की आवश्यकता नहीं होती। यह प्राकृतिक है।इससे प्लास्टिक, टिन और पैकेजिंग कचरा कम उत्पन्न होता है। साथ ही साथ, ऊर्जा, पानी और ईंधन की खपत कम होती है, जिससे कार्बन उत्सर्जन भी घटता है।इसलिए, स्तनपान एक प्राकृतिक, पर्यावरण-अनुकूल और टिकाऊ (सस्टेनेबल) विकल्प माना जाता है। अंत में यही कहूंगा कि स्तनपान की सफलता एक मां के अकेले की यात्रा नहीं है; यह पूरे परिवार, कार्यस्थल और समाज के संयुक्त सहयोग का परिणाम है। यदि समाज सही जानकारी, सम्मान और सुविधाएं प्रदान करे, तो हम एक स्वस्थ, सुरक्षित और सशक्त आने वाली पीढ़ी का निर्माण कर सकते हैं।

संक्षिप्त खबरें

वेदांत का 20,000 करोड़ कर्ज घटाने और 10 अरब डॉलर एबिटा का लक्ष्य

नई दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त । धातु और खनन क्षेत्र की दिग्गज वेदांत समूह ने वित्त वर्ष 2026-27 तक 10 अरब डॉलर एबिटा (ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई) हासिल करने और चालू वित्त वर्ष में 20,000 करोड़ रुपये से अधिक कर्ज घटाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी के शीर्ष नेतृत्व ने बिजनेस स्टैंडर्ड को बताया कि जून तिमाही के रिकॉर्ड प्रदर्शन के बाद यह अनुमान निरंतर वृद्धि के प्रति उसके बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाता है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार ऋण घटाने की प्रक्रिया तेज हुई है; जून तिमाही में वेदांत रिसोर्सेज लिमिटेड (वीआरएल) ने 1.1 अरब डॉलर का ऋण कम किया। उधारी के पुनर्वित्तपोषण से फंडिंग लागत में 280 आधार अंकों की कमी आई, जिससे सालाना ब्याज पर 1,000 करोड़ रुपए से अधिक की बचत होगी। यह प्रदर्शन उच्च उत्पादन, कम परिचालन लागत और मजबूत ब्रेंट क्रूड व एलएमई कीमतों जैसी अनुकूल व्यापक आर्थिक परिस्थितियों का परिणाम है।

इलेक्ट्रिक एसयूवी बीई 6 को अपडेट करने की तैयारी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त । अपनी लोकप्रिय इलेक्ट्रिक एसयूवी बीई 6 को महिंद्रा नए फीचर्स के साथ अपडेट करने की तैयारी कर रही है। अब कंपनी मॉडल ईयर अपडेट के तहत बीई 6 में कई महत्वपूर्ण बदलाव कर सकती है। महिंद्रा की बॉर्न इलेक्ट्रिक प्लेटफॉर्म पर आधारित बीई 6, एक्सईवी 9ई और एक्सईवी 9एस को बाजार में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, जिसके दम पर महिंद्रा इलेक्ट्रिक चारपहिया वाहन बाजार में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। रिपोर्टों के अनुसार, सबसे बड़ा बदलाव ट्रिपल-स्क्रीन डैशबोर्ड हो सकता है। अभी बीई 6 में दो 12.3 इंच की स्क्रीन मिलती हैं, लेकिन नए मॉडल में एक्सईवी 9ई और एक्सईवी 9एस की तरह तीसरी 12.3 इंच की पैसेंजर डिस्प्ले भी जोड़ी जा सकती है। इससे केबिन अधिक आधुनिक और प्रीमियम दिखाई देगा तथा बढ़ती प्रतिस्पर्धा का मुकाबला करने में मदद मिलेगी। महिंद्रा इंटीरियर लेआउट में भी बदलाव कर सकती है।

कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से उत्पादन जुलाई में 9.6 प्रतिशत बढ़ा : केंद्र

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त ।**

भारत के कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से उत्पादन जुलाई में सालाना आधार पर 9.6 प्रतिशत बढ़कर 14.78 मिलियन टन (एमटी) हो गया है। यह जानकारी कोयल मंत्रालय की ओर से सोमवार को दी गई। इस दौरान कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से कोयले की आपूर्ति 17.49 मिलियन टन तक पहुंच गई है।

कोयला मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया,'यह उत्साहजनक प्रदर्शन कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खनन क्षेत्र में परिचालन दक्षता के सुधार, खनन उत्पादकता में वृद्धि और खनन क्षमताओं के अधिक प्रभावी उपयोग का परिचायक है।' सरकारी डेटा में बताया गया कि कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से चालू वित्त वर्ष की शुरूआत से जुलाई तक संचयी उत्पादन 63.16 मिलियन टन रहा है, जो कि पिछले साल के समान अवधि के आंकड़े 59.42 मिलियन टन से 6.2 प्रतिशत अधिक है। वहीं, चालू वित्त वर्ष की शुरूआत से जुलाई तक कोयले की संचयी आपूर्ति 70.14 मिलियन टन रही है, जो कि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के आंकड़े 66.02 मिलियन टन से 5.8 प्रतिशत अधिक है।

मंत्रालय के बयान के मुताबिक, कैप्टिव और वाणिज्यिक खदानों से उत्पादन में सतत वृद्धि के चलते आयातित कोयले पर निर्भरता में कमी आएगी, जिससे आपूर्ति श्रृंखला मजबूत होगी, विदेशी मुद्रा की बचत होगी, और देश की ऊर्जा सुरक्षा एवं औद्योगिक विकास के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण कच्चे माल में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। इससे सरकार के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को बल मिलने की उम्मीद है। आगे कहा गया कि कोयला मंत्रालय कैप्टिव और वाणिज्यिक कोयला खनन क्षेत्र की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए दृढ़ संकल्पित है। प्रगतिशील नीतिगत पहल, सशक्त नियामक देखरेख और हितधारकों के निरंतर समर्थन के माध्यम से मंत्रालय उत्पादन वृद्धि को सुनिश्चित करने, आपूर्ति से संबंधित बाधाओं को खत्म करने और कोयले की उपलब्धता सुधारने के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

ईंधन की ऊंची कीमतों के बाद भी भारतीय एयरलाइंस का जून में अंतरराष्ट्रीय ट्रैफिक रहा मजबूत: रिपोर्ट

नई दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त

भारतीय एयरलाइंस के लिए अंतरराष्ट्रीय ट्रैफिक मासिक आधार पर जून में बढ़ा है। साथ ही, घरेलू पैसेंजर लोड फैक्टर भी मजबूत रहा है। यह जानकारी सोमवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई। फाइनेंशियल सर्विसेज फर्म इक्विरस ने कहा कि सीजन के दौरान अधिक ट्रैफिक के बाद घरेलू ट्रैफिक में थोड़ी कमी आई, लेकिन पैसेंजर लोड फैक्टर अच्छे बने रहे, जो सेक्टर में मजबूत मांग और क्षमता के सही इस्तेमाल को दिखाते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होकर लगभग 95.4 पर आ गया, जिससे एयरक्राफ्ट लीजिंग, मेंटेनेंस और डॉलर में होने वाले अन्य ऑपरेटिंग खर्च बढ़ गए।

स्थानीय से वैश्विक स्तर की ओर बढ़ रहा उत्तर प्रदेश : पीयूष गोयल

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त ।**

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश स्थानीय आर्थिक शक्ति से आगे बढ़कर वैश्विक विकास का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत द्वारा किए गए मुक्त व्यापार समझौतों के कारण उत्तर प्रदेश के प्रमुख उद्योगों और उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक बेहतर पहुंच मिल रही है। इससे राज्य के निर्यातकों, कारीगरों, किसानों और विनिर्माण क्षेत्र से जुड़े उद्यमों के लिए नए अवसर पैदा हो रहे हैं।

पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'उत्तर प्रदेश स्थानीय से वैश्विक पहचान की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।' उन्होंने कहा कि भारत द्वारा किए गए व्यापार समझौते राज्य के उत्पादों और उद्योगों को वैश्विक बाजारों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इन समझौतों के माध्यम से उत्तर प्रदेश के प्रमुख विनिर्माण और पारंपरिक उद्योगों को निर्यात बढ़ाने के नए अवसर मिल रहे हैं। गोयल ने बताया कि कानपुर का प्रसिद्ध चमड़ा उद्योग, जो लंबे समय से राज्य की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार रहा है, अब भारत के व्यापारिक समझौतों के माध्यम से विदेशी बाजारों में अपनी पहुंच और मजबूत कर सकेगा।

उन्होंने नोएडा के तेजी से विकसित हो रहे इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण क्षेत्र का भी उल्लेख करते हुए कहा कि मुक्त व्यापार समझौतों से प्राप्त वैश्विक बाजारों की पहुंच इस क्षेत्र के निर्यातकों और निमार्ताओं के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल रही है। आज नोएडा देश के प्रमुख इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन केंद्रों में शामिल है और भारत के निर्यात तंत्र में इसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक उत्पादों के साथ-साथ सहारनपुर की पारंपरिक हस्तशिल्प कला को भी अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बढ़ती मांग का लाभ मिलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि व्यापारिक बाधाएं कम होने से हस्तशिल्प क्षेत्र से जुड़े कारीगरों और लघु उद्यमों को विदेशों में नए बाजार उपलब्ध होंगे।

इसके अलावा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कृषि उत्पादकों को भी बदलते वैश्विक व्यापारिक परिदृश्य का लाभ मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि कृषि उत्पादों के लिए भी निर्यात के नए अवसर तेजी से विकसित हो रहे हैं।

पीयूष गोयल ने कहा, 'मुक्त व्यापार समझौतों के माध्यम से कानपुर का चमड़ा उद्योग, नोएडा का इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र, सहारनपुर का हस्तशिल्प तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कृषि उत्पाद वैश्विक बाजारों में नई संभावनाएं प्राप्त कर रहे हैं।'

भारत का मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई जुलाई में 53.5 पर रहा, मांग रही मजबूत

नई दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त । भारत के मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में गतिविधियां मजबूत रही हैं और इस कारण जुलाई में पीएमआई 53.5 रहा है, हालांकि, वृद्धि की रफ्तार में कमी आने के कारण यह जून के 54.2 से कम है। यह जानकारी एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई सर्वेक्षण में सोमवार को दी गई।

एसएंडपी ग्लोबल द्वारा संकलित किए गए एचएसबीसी इंडिया मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई डेटा में बताया गया कि भारत में मैन्युफैक्चरर्स को मांग से लगातार फायदा हो रहा है और नए ऑर्डर आउटपुट ग्रोथ को बढ़ा रहे हैं। हालांकि, कुछ पैमानों पर ग्रोथ फिर से धीमी हो गई, जिसमें कुल बिक्री, इनपुट की खरीद और रोजगार आदि शामिल हैं। जब भी पीएमआई 50 से ऊपर होता है, तो यह वृद्धि को दिखाता है। पीएमआई सर्वेक्षण में सकारात्मक पहलू नए निर्यात ऑर्डर में तेज वृद्धि होना था। इसके अलावा, बिजनेस को लेकर उम्मीदों में थोड़ी रिकवरी हुई। ऑपरेटिंग खर्च और बढ़े (खासकर ट्रांसपोर्टेशन में) लेकिन लागत में बढ़ोतरी की कुल दर घटकर पांच महीने के निचले स्तर पर आ गई। इस कारण आउटपुट चार्ज में भी मामूली बढ़ोतरी हुई। एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने कहा, 'जुलाई में आपूर्तिकताओं के डिलीवरी टाइम का इंडेक्स बढ़ा, जो एक अच्छा संकेत है कि सप्लाई चेन में होने वाली देरी कम हो रही है। हालांकि, मध्य पूर्व में फिर से बढ़े तनाव ने इस बात पर नए शक पैदा कर दिए हैं कि ये सुधार कितने लंबे समय तक टिकेंगे। इसके जवाब में, मैन्युफैक्चरर्स बफर फिर से बना रहे हैं।

आरबीआई एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक आज से शुरू, ब्याज दरों की होगी समीक्षा

» **मुंबई, यूटर्न/ 03 अगस्त ।**

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति कमेटी (एमपीसी) की तीन दिवसीय बैठक की शुरूआत सोमवार से हो गई है। इस बैठक में ब्याज दरों (रेपो रेट) के साथ देश की आर्थिक स्थिति की समीक्षा की जाएगी।

इस बैठक के फैसलों का ऐलान बुधवार को आबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा की ओर से सुबह 10 बजे किया जाएगा।

आरबीआई एमपीसी की द्विमासिक बैठक ऐसे समय पर हो ही है, जब दुनिया वैश्विक अस्थिरता, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर बढ़ाने और बॉन्ड यील्ड के उच्च स्तर पर जाने जैसी चुनौतियों का सामना कर रही है। कई विश्लेषकों का मानना है कि छह सदस्यों वाली आरबीआई एमपीसी अगस्त में रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रख सकती है। एसबीआई रिसर्च का अनुमान है कि आरबीआई अपनी अगली बैठक में पॉलिसी रेट्स को अपरिवर्तित रख सकता है, क्योंकि अगले दो तिमाहियों में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) 5 प्रतिशत से ऊपर रहने की उम्मीद है, जबकि घरेलू आर्थिक गतिविधि में मजबूती के संकेत मिले हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में जीडीपी ग्रोथ 7 प्रतिशत से अधिक हो सकती है, जो पहले के अनुमानों से अधिक है। इसके अलावा, तेल की कीमतों में अस्थिरता, रुपए पर दबाव और बाहरी पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव के कारण केंद्रीय बैंक से स्पष्ट रूप से नरम टिप्पणी आने की संभावना नहीं है। हालांकि, रिपोर्ट में कहा गया है कि जुलाई में मजबूत पूंजी प्रवाह, विदेशी मुद्रा भंडार में सुधार, बेहतर मानसून की स्थिति और लगभग सामान्य जलाशय स्तरों के कारण घरेलू अर्थव्यवस्था के आधारभूत कारकों में सुधार हुआ है। इससे पहले जून में हुई आरबीआई एमपीसी की बैठक ने सर्वसम्मति से रेपो रेट को 5.25 प्रतिशत पर बनाए रखा था और अपने पॉलिसी रुख को न्यूट्रल रखा था।

इंडिगो के नए सीईओ विली वॉल्श ने पदभार संभाला, कहा-भारतीय एविएशन सेक्टर में अपार संभावनाएं

नई दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त । इंडिगो के नए सीईओ विली वॉल्श ने एयरलाइन का कार्यभार संभाल लिया है और वह अब एयरलाइन के विकास के अगले चरण को रफ्तार देंगे। यह जानकारी कंपनी की ओर से सोमवार को दी गई। इससे पहले वॉल्श इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन (आईएटीए) के डायरेक्टर जनरल थे। इंडिगो की ओर से वॉल्श को सीईओ बनाने का ऐलान मार्च में किया गया था। एयरलाइन ने कहा कि वॉल्श के पास ग्लोबल एविएशन इंडस्ट्री में चार दशकों से अधिक का अनुभव है और वे बोर्ड और मैनेजमेंट टीम के साथ मिलकर एयरलाइन की ऑपरेशनल खूबियों को और बेहतर बनाने और इसके लंबे समय के रणनीतिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगे। वॉल्श का स्वागत करते हुए, इंडिगो के मैनेजिंग डायरेक्टर राहुल भाटिया ने कहा कि एयरलाइन अपने तीसरे दशक में प्रवेश कर रही है और विकास के अगले चरण के लिए अच्छी स्थिति में है। वॉल्श, इंडिगो के पूर्व सीईओ पीटर एल्बर्स की जगह लेंगे, जो सितंबर, 2022 से एयरलाइन के सीईओ थे। भाटिया ने कहा,'विमानन उद्योग में उनका व्यापक वैश्विक अनुभव, उनकी ऑपरेशनल और रणनीतिक विशेषज्ञता के साथ मिलकर, इंडिगो के अंतरराष्ट्रीय विस्तार रणनीति को गति देने में सहायक होगा।'

तकनीकी खराबी से बीके अस्पताल की ओपीडी व्यवस्था चरमराई

» फरीदाबाद, यूटर्न/ 03 अगस्त ।

जिला नागरिक बीके अस्पताल में शनिवार को तकनीकी समस्या मरीजों पर भारी पड़ गई। अस्पताल का सर्वर अचानक बंद होने से ओपीडी की पंजीकरण प्रक्रिया ठप हो गई। सुबह से इलाज कराने पहुंचे मरीज कार्ड बनवाने के लिए काउंटरों के बाहर खड़े रहे, लेकिन घंटों तक समस्या दूर नहीं हो सकी। दोपहर तक भी सर्वर चालू नहीं होने के कारण बड़ी संख्या में मरीज डॉक्टरों से परामर्श नहीं ले सके और मायूस होकर घर लौट गए।

शनिवार को अवकाश के बाद पहला

कार्यदिवस होने से अस्पताल में मरीजों की भीड़ सामान्य से अधिक थी। महिला रोग, अस्थि रोग, शिशु रोग और नेत्र रोग विभाग की ओपीडी में बड़ी संख्या में मरीज पहुंचे थे। इनमें नियमित फॉलोअप वाले मरीज भी शामिल थे, जिन्हें सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ी। पंजीकरण नहीं होने के कारण न तो डॉक्टरों से परामर्श मिल सका और न ही जांच रिपोर्ट दिखाने की प्रक्रिया पूरी हो सकी।

ओपीडी प्रभावित होने का असर दवा वितरण व्यवस्था पर भी दिखाई दिया। सामान्य दिनों में जहां दवा काउंटरों पर लंबी कतारें रहती हैं, वहीं शनिवार को मरीजों की संख्या काफी कम रही। कई चिकित्सकों के कक्षों के बाहर भी सन्नाटा नजर आया।

मरीजों का कहना था कि अस्पताल में सर्वर संबंधी दिक्कतें नई नहीं हैं और समय-समय पर ऐसी परेशानी सामने आती रहती है। उनका कहना है कि तकनीकी खराबी की स्थिति में मैनुअल पर्ची या वैकल्पिक पंजीकरण व्यवस्था शुरू की जानी चाहिए, ताकि मरीजों का इलाज प्रभावित न हो।

सुबह से कार्ड बनवाने के लिए लाइन में खड़ी हूं। उमस और गर्मी में काफी परेशानी हुई, लेकिन इलाज नहीं मिल पाया। अब दोबारा अस्पताल आना पड़ेगा।-आशीष चंदेल, सेक्टर-23

डॉक्टर को जांच रिपोर्ट दिखानी थी, लेकिन कार्ड नहीं बनने से पूरी प्रक्रिया रुक गई। अस्पताल में इस समस्या का स्थायी समाधान होना चाहिए।-कविता सैनी, अजरौंदा गांव

संक्षिप्त खबरें

डबुआ कॉलोनी के लोगों को जलभराव और जर्जर सड़क से मिलेगी राहत

फरीदाबाद, यूटर्न/ 03 अगस्त । एनआईटी विधानसभा क्षेत्र की डबुआ कॉलोनी के बी-ब्लॉक और कम्युनिटी सेंटर पॉकेट के आसपास रहने वाले करीब 20 हजार से अधिक लोगों को लंबे समय से चली आ रही सड़क और जलभराव की समस्या से राहत मिलने की उम्मीद जगी है। नगर निगम फरीदाबाद ने क्षेत्र के विकास के लिए योजना तैयार की है। इसके तहत पेयजल लाइन बिछाने, मजबूत कंक्रीट सड़क बनाने और नालियों का स्तर ऊंचा करने का काम किया जाएगा। निगम का दावा है कि काम पूरा होने के बाद बारिश के दौरान होने वाले जलभराव की समस्या में कमी आएगी। डबुआ कॉलोनी के बी-ब्लॉक में पिछले कई वर्षों से सड़क टूटने, सीवर व्यवस्था खराब होने और जलनिकासी की समस्या बनी हुई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार, बारिश के दिनों में स्थिति और खराब हो जाती थी। नालियों का गंदा पानी सड़कों पर फैल जाता था और कई बार घरों के दरवाजों तक पहुंच जाता था। खराब सड़क के कारण पैदल चलने वालों, बुर्जुगों और स्कूली बच्चों को सबसे ज्यादा परेशानी उठानी पड़ती थी। इलाके की सड़कों पर बने गड्ढों के कारण दोपहिया वाहन चालकों के गिरने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं।

कैंटर ने राहगीर को मारी टक्कर, हड्डी टूटी

गुरुगाम, यूटर्न/ 03 अगस्त । बिलासपुर थाना क्षेत्र में दिल्ली-जयपुर हाईवे की सर्विस लेन पर एक कैंटर ने पैदल चल रहे युवक फरमान (24) को टक्कर मार दी। हादसे में फरमान की जांघ की हड्डी टूट गई। उसका उपचार दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में चल रहा है। फरमान मेरठ के महरमती गणेशपुर गांव का निवासी है। वह बिनौला क्षेत्र की एक कंपनी में वेल्डिंग का काम करता है। 29 जुलाई की दोपहर को वह खाना खाने के लिए पैदल जा रहा था। तभी दिल्ली-जयपुर हाईवे की सर्विस लेन पर यह दुर्घटना हुई। टक्कर के बाद फरमान कैंटर के अगले टायर में फंसकर काफी दूर तक घसीटता गया। इससे उसे गंभीर चोटें आईं और बाएं पैर की जांघ की हड्डी टूट गई। घायल फरमान की शिकायत पर बिलासपुर थाने में कैंटर चालक के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस ने टक्कर मारने वाले कैंटर को जब्त कर थाने में खड़ा किया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि जल्द ही कैंटर चालक को जांच में शामिल कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सावन का पहला सोमवार आज, त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में होगा दूधेश्वरनाथ मंदिर, वाहनों की नो-एंट्री

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 03 अगस्त ।

आज सावन के पहले सोमवार पर दूधेश्वरनाथ मंदिर में जलाभिषेक के लिए उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए पुलिस ने सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर व्यापक इंतजाम किए हैं। मंदिर को त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में रखा गया है। मंदिर की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रतिबंधित रहेगी। श्रद्धालुओं के वाहनों के लिए एमएमएच कॉलेज, रामलीला मैदान और आर्मी मैदान में पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

एसीपी कोतवाली उपासना पांडेय ने बताया कि इसके साथ ही पूर्व में कैलाभट्ठा और इस्लाम नगर में हुए विवादों में शामिल व्यक्तियों समेत 60 लोगों को मुचलका पाबंद किया गया है। पुलिस सोशल मीडिया पर भी नजर रख रही है। किसी भी तरह की विवादित पोस्ट करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

जीटी रोड पर ओवरब्रिज से ही गुजरेंगे वाहन

डीसीपी यातायात त्रिगुण बिसेन ने बताया कि जीटी रोड पर वाहनों की आवाजाही केवल ओवरब्रिज से हो सकेगी। नीचे से कोई भी वाहन मंदिर की ओर नहीं जा सकेगा। इस रास्ते को बैरियर लगाकर बंद किया गया है। हापुड़ मोड़ से घंटाघर की तरफ जाने वाले वाहनों पर भी रोक रहेगी। ये वाहन आंबेडकर रोड होते हुए चौधरी मोड़ से अपने गंतव्य तक पहुंचेंगे।

लालकुआं की तरफ से मंदिर आने वाले श्रद्धालु अपने वाहन एमएमएच कॉलेज और रामलीला मैदान में खड़ा करेंगे, जबकि विजयनगर की ओर से आने वाले वाहनों के लिए आर्मी मैदान को पार्किंग स्थल बनाया गया है। यहां से श्रद्धालुओं को पैदल मंदिर तक भेजा जाएगा। यह व्यवस्था भीड़ कम होने तक लागू रहेगी।

दो ड्रोन से होगी निगरानी

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त जयकरण नय्यर ने बताया कि दूधेश्वरनाथ मंदिर की सुरक्षा त्रिस्तरीय रहेगी। गर्भगृह, मंदिर के अंदर और बाहरी हिस्से में पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। सुरक्षा व्यवस्था में 500 पुलिसकर्मियों की तैनाती के साथ 50 पुलिसकर्मियों की रिजर्व टीम रखी गई है।

डेंगू-मलेरिया की रोकथाम के लिए स्वास्थ्य विभाग का अभियान तेज

» फरीदाबाद, यूटर्न/ 03 अगस्त ।

बरसात के मौसम में डेंगू और मलेरिया की रोकथाम को लेकर स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिलेभर में लगातार अभियान चलाया जा रहा है। विभाग की टीमें घर-घर पहुंचकर मच्छरों के लार्वा की जांच कर रही हैं और लोगों को बचाव के प्रति जागरूक भी कर रही हैं। अब तक जिले में डेंगू के तीन और मलेरिया के दो मरीजों की पुष्टि हुई है। सभी मरीजों का उपचार किया जा चुका है और उनकी स्थिति सामान्य है।

स्वास्थ्य विभाग की टीमें कूलर, पानी की टंकियों, गमलों, पुराने टायरों, फ्रिज की ट्रे, कबाड़ और अन्य स्थानों पर जमा पानी की नियमित जांच कर रही हैं। जहां भी मच्छरों का लार्वा मिला, उसे मौके पर ही नष्ट कर दिया गया। अभियान के दौरान लापरवाही मिलने पर 60 से अधिक लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। विभाग का कहना है कि बार-बार लार्वा मिलने पर नियमानुसार

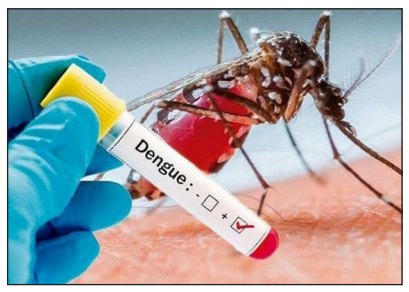

कार्रवाई भी की जाएगी। इसके अलावा आशा वर्कर और स्वास्थ्य कर्मचारी लोगों को घरों में पानी जमा नहीं होने देने, सप्ताह में एक दिन ड्राई डे मनाकर कूलर और पानी के बर्तनों को खाली करने, पूरी बाजू के कपड़े पहनने तथा बुखार आने पर तुरंत सरकारी अस्पताल में जांच कराने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। विभाग का मानना है कि जनसहभागिता से ही डेंगू और मलेरिया पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

पांचवीं मंजिल के अपार्टमेंट से गिरने के बाद मनोचिकित्सक की मौत

गाज़ियाबाद, यूटर्न/ 03 अगस्त । उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में राजनगर एक्सटेंशन इलाके में रहने वाली 40 साल की एक साइकियाट्रिस्ट (मनोचिकित्सक) की अपने अपार्टमेंट की पांचवीं मंजिल से कथित तौर पर गिरने से मौत हो गई। परिवार वालों का कहना है कि करीब डेढ़ साल पहले हुए तलाक के बाद से ही वह गंभीर भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जूझ रही थी। मृतक की पहचान डॉ. हेमिका अग्रवाल के तौर पर हुई है, जो ऑफिसर्स सिटी-2 सोसाइटी में रहती थी। पुलिस के मुताबिक, यह घटना रविवार को हुई। हाउसिंग कॉम्प्लेक्स के रहने वाले लोग और आसपास के लोग तुरंत युवती मदद के लिए पहुंचे और उन्हें पास के अस्पताल ले गए। हालांकि, अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिवारवालों ने बताया कि शादी टूटने से उनकी मानसिक स्थिति पर गहरा असर पड़ा था। उनके पिता डॉ. आर. चंद्रा गाजियाबाद के जाने-माने मनोचिकित्सक हैं। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी लगभग 18 महीने पहले अलग होने के बाद से डिप्रेशन और भारी मानसिक तनाव से जूझ रही थी। एनडीटीवी के मुताबिक, पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है और सभी संभावित पहलुओं की जांच कर रही है।

10वीं की छात्रा को अगवा कर चलती कार में सामूहिक दुष्कर्म, दो गिरफ्तार

» गाजियाबाद, यूटर्न/ 03 अगस्त

10वीं कक्षा की छात्रा को मसूरी थाने के पास से अगवा कर अधेड़ उम्र के दो आरोपियों ने चलती कार में उसके साथ दुष्कर्म किया। किशोरी को कार में लेकर आरोपी करीब सात घंटे तक शहर की सड़कों पर घूमते रहे। इसके बाद देर रात उसको बदहवास हालत में एनएच-9 के किनारे फेंककर फरार हो गए। पीड़िता अगले दिन किसी तरह अपने घर पहुंची।

पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने पॉक्सो, सामूहिक दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर दोनों आरोपियों 45 वर्षीय मुजाहिद और 48 वर्षीय सलीम अख्तर निवासी आजमपुर दहपा, पिलखुवा (हापुड़) को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, दोनों दोस्त हैं और साथ में ईंट भट्ठे का कारोबार करते हैं। आरोपी मुजाहिद पिलखुवा थाने का हिस्ट्रीशीटर है।

मसूरी क्षेत्र की एक कॉलोनी में रहने वाली पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि उन्होंने बुलंदशहर निवासी अपने परिचित की बेटी को गोद लिया था। वर्तमान में किशोरी की उम्र करीब 16 वर्ष है। 27 जुलाई को वह किसी काम से घर से निकली थी। शाम करीब साढ़े सात बजे वह मसूरी थाने के पास एनएच-9 की सर्विस रोड के किनारे वाहन का इंतजार कर रही थी। इसी दौरान अर्बन क्रूजर कार सवार आरोपियों ने उसे अकेला देखकर अगवा कर लिया। पीड़िता के अनुसार, आरोपी करीब सात घंटे तक उसे एनएच और शहर के अन्य रास्तों पर कार में घुमाते रहे। इस दौरान उन्होंने उसे डराया-धमकाया और दुष्कर्म किया। इससे किशोरी बदहवास हो गई। उसने जब आरोपियों के खिलाफ शिकायत करने की बात कही तो देर रात करीब ढाई बजे उसे ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के पास सड़क किनारे फेंककर भाग गए।

बरसात में बढ़े त्वचा रोगी, ओपीडी में रोज पहुंच रहे 300 मरीज

» फरीदाबाद, यूटर्न/ 03 अगस्त

बरसात के मौसम में बढ़ी नमी और उमस का असर लोगों की त्वचा पर भी दिखाई देने लगा है। जिला नागरिक बीके अस्पताल में पिछले एक महीने से फंगल इंफेक्शन, खुजली, एक्जिमा, एलर्जी, घमौरियां और बैक्टीरियल त्वचा संक्रमण जैसी समस्याओं से पीड़ित मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। पहले जहां त्वचा रोग विभाग की ओपीडी में प्रतिदिन 150 से 200 मरीज पहुंचते थे, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 250 से 300 के बीच पहुंच गई है। चिकित्सकों का कहना है कि मौसम में नमी बढ़ने से फंगल संक्रमण तेजी से फैलता है और लापरवाही करने पर यह लंबे समय तक परेशान कर सकता है।

बीके अस्पताल के त्वचा रोग विभाग में सबसे अधिक मरीज दाद और अन्य फंगल संक्रमण की शिकायत लेकर पहुंच रहे हैं। इसके अलावा

खुजली, एलर्जी, एक्जिमा, घमौरियां और बैक्टीरियल संक्रमण के मरीज भी बड़ी संख्या में इलाज के लिए आ रहे हैं। चिकित्सकों के अनुसार पसीना, गीले कपड़े लंबे समय तक पहनना और साफ-सफाई में कमी संक्रमण को बढ़ावा देती है।

चिकित्सकों का कहना है कि कई लोग बिना सलाह के मेडिकल स्टोर से क्रीम या दवा खरीदकर इस्तेमाल करते हैं, जिससे संक्रमण दब तो जाता है, लेकिन पूरी तरह खत्म नहीं होता और बाद में गंभीर रूप ले लेता है।

करीब दो सप्ताह से शरीर पर लाल चकत्ते और तेज खुजली की समस्या थी। घरेलू उपचार और मेडिकल स्टोर से दवा लेने पर भी आराम नहीं मिला, इसलिए बीके अस्पताल में उपचार के लिए आया हूं।-अमजद अली, सेक्टर-22

बारिश के मौसम में दाद की समस्या काफी बढ़ गई है। खुजली के कारण रात में नींद भी नहीं आ रही थी। अस्पताल में जांच के बाद दवा दी गई है।-नूरी, बल्लभगढ़

शुरूआत में हल्की खुजली थी, लेकिन धीरे-धीरे पूरे शरीर में फैलने लगी। डॉक्टर ने बताया कि यह फंगल इंफेक्शन है और नियमित दवा लेने की सलाह दी है।-पूनीत कुमार, एनआईटी

निजी क्लीनिक से इलाज कराया, लेकिन कोई खास फायदा नहीं हुआ। अब बीके अस्पताल में उपचार शुरू कराया है। उम्मीद है जल्द राहत मिलेगी।-दशरथ सिंह, तिगांव

बरसात के मौसम में नमी और पसीने के कारण फंगल इंफेक्शन, खुजली, एलर्जी और अन्य त्वचा रोगों के मामले बढ़ जाते हैं। त्वचा को साफ और सूखा रखें, दूसरे के तौलिया या कपड़े इस्तेमाल न करें और किसी भी समस्या होने पर स्वयं दवा लेने के बजाय त्वचा रोग विशेषज्ञ से सलाह लें।-डॉ. डीएस राठी, वरिष्ठ त्वचा रोग विशेषज्ञ

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

जाह्नवी कपूर ने

शिखर पहाड़िया और परिवार के साथ बिताए गए खास पलों की तस्वीरें शेयर कीं

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड शिखर पहाड़िया और अपने परिवार के साथ बिताए कुछ खास पलों की तस्वीरें शेयर कीं। एक्ट्रेस ने अपनी खुशी भरे निजी पलों की झलक दिखाते हुए इन तस्वीरों को 'इतना प्यारा कि पोस्ट किए बिना रहा नहीं गया' बताया। इन तस्वीरों में प्यारी सेल्फी, परिवार के साथ बिताए पल और यादगार तस्वीरें शामिल हैं। जाह्नवी ने इंस्टाग्राम पर अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं और कैप्शन में लिखा, 'मैंने कोशिश तो की, लेकिन ये तस्वीरें इतनी प्यारी थीं कि इन्हें पोस्ट किए बिना नहीं रह सकी।' एक तस्वीर में जाह्नवी शिखर पहाड़िया का हाथ थामे पोज देती नजर आ रही हैं। कुछ तस्वीरों में एक्ट्रेस नीली ड्रेस में शानदार पोज देती दिख रही हैं। कुछ और तस्वीरों में जाह्नवी अपने पिता बोनी कपूर और बहन खुशी कपूर के साथ पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक तस्वीर में एक्ट्रेस चमकीले सिल्वर लहंगे में दिख रही हैं। एक और तस्वीर में जाह्नवी शिखर पहाड़िया के साथ डांस करती हुई दिखाई दे रही हैं। दिलचस्प बात यह है कि इन सभी यादगार पलों में सबसे अधिक ध्यान उस तस्वीर ने खींचा, जिसमें जाह्नवी पोज देते हुए शिखर का हाथ पकड़े हुए हैं। यह पहली बार नहीं है जब 'परम सुंदरी' एक्ट्रेस ने शिखर के लिए अपना लगाव जाहिर किया है। पिछले कुछ समय से जाह्नवी को कई पब्लिक इवेंट्स और आउटिंग्स में शिखर के नाम वाला पर्सनलाइज्ड नेकलेस पहने हुए देखा गया है। खबरों के मुताबिक, जाह्नवी और शिखर रिलेशनशिप में हैं और कई सालों से साथ हैं। हालांकि दोनों ने अपने रिश्ते की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन उनके साथ दिखने और इशारों-इशारों में की गई हरकतों से अक्सर उनके रिश्ते को लेकर अटकलें लगाई जाती रही हैं। शिखर, जाह्नवी के साथ कान्स फिल्म फेस्टिवल में भी शामिल हुए थे, जहां उन्होंने अपनी फिल्म 'होमबाउंड' के प्रीमियर के लिए रेड कार्पेट पर वॉक किया था। काम की बात करें तो जाह्नवी कपूर आखिरी बार बुची बाबू सना के निर्देशन में बनी फिल्म 'पेड्डी' में नजर आई थीं। इस फिल्म में राम चरण, जगपति बाबू, शिवराजकुमार, बोमन ईरानी और दिव्येंदु ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं। यह एक्शन ड्रामा फिल्म 4 जून को रिलीज हुई थी। खबरों के अनुसार, वह निर्देशक उमेश बिस्ट के साथ एक बिना शीर्षक वाली फिल्म के लिए भी बातचीत कर रही हैं।

दक्षिण के सिनेमा ने दिया मेरे कॅरियर को मजबूत आधार : सीरत कपूर

साउथ फिल्म इंडस्ट्री में काम करने के अनुभव ने अभिनेत्री सीरत कपूर को किरदारों को अधिक गहराई से समझना सिखाया है, जिससे उनकी अभिनय क्षमता में अभूतपूर्व निखार आया है। अभिनेत्री सीरत का मानना है कि जब एक कलाकार अलग-अलग जगहों और संस्कृतियों के बीच काम करता है, तो वह मानवीय भावनाओं को समझने और उन्हें पर्दे पर प्रभावी तरीके से उतारने का तरीका बेहतर ढंग से सीखता है। यह अनुभव न केवल भाषा की सीमाओं को तोड़ता है, बल्कि भावनात्मक अभिव्यक्ति को एक नया आयाम देता है। अपने अनुभवों को साझा करते हुए सीरत कपूर ने कहा, दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री ने मेरे करियर को एक मजबूत आधार दिया। अलग-अलग भाषाओं में काम करना मेरे लिए एक चुनौती भी रहा और सीखने का बड़ा मौका भी। इस अनुभव ने मुझे अभिनय में ज्यादा सहज, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने वाला और अपने काम के प्रति ईमानदार बनाया। उन्होंने आगे कहा, इसने मुझे सिखाया कि भावनाओं को शब्दों की जरूरत नहीं होती। एक सच्ची भावना चेहरे के हाव-भाव, शारीरिक भाषा और आंखों के माध्यम से भी दर्शकों तक पहुंच सकती है, भले ही भाषा अलग क्यों न हो। अभिनेत्री ने आज के दौर में कलाकारों के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, किसी कलाकार के लिए सबसे जरूरी बात यह है कि उसे सही कारणों से याद रखा जाए।

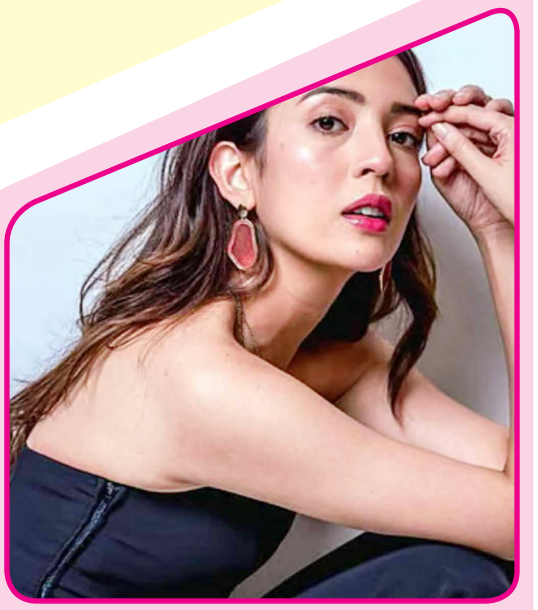

खुद को बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया बरखा सिंह ने

पिछले तीन सालों में बॉलीवुड अभिनेत्री बरखा सिंह ने अपनी अभिनय यात्रा को एक नया आयाम दिया है। बरखा सिंह ने अपने करियर की शुरूआत हल्के-फुल्के रोमांटिक और कमिंग-ऑफ-एज किरदारों से की थी, जहां उनकी चुलबुली अदाएं दर्शकों को भाती थीं।

क्रिमिनल जस्टिस जैसी सफल वेब सीरीज और अब टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी जैसे प्रोजेक्ट्स में दमदार व चुनौतीपूर्ण किरदार निभाकर उन्होंने खुद को एक बहुमुखी अभिनेत्री के रूप में स्थापित किया है। बरखा का मानना है कि वह अब ऐसे किरदार निभाना चाहती हैं जो सिर्फ कहानी का हिस्सा न हों, बल्कि दर्शकों के मन पर एक गहरी और स्थायी छाप भी छोड़ें। टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में बरखा पहली बार एक भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी (आईआरएस) के दमदार किरदार में नजर आएंगी। इस भूमिका को लेकर वह बेहद उत्साहित हैं और इसे अपने करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ मानती हैं।

अपने बदलते करियर चुनावों पर बात करते हुए बरखा ने कहा कि इस आईआरएस अधिकारी के किरदार को निभाना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा और इससे उन्हें यह और भी स्पष्ट हो गया कि आगे वह किस तरह के किरदार करना चाहती हैं। यह किरदार उनके लिए केवल एक भूमिका नहीं, बल्कि एक पहचान और एक दिशा तय करने वाला अनुभव बन गया है। बरखा सिंह ने अपने दृष्टिकोण को स्पष्ट करते हुए कहा, मैं टैक्स डिपार्टमेंट स्टोरी में आईआरएस अधिकारी का किरदार निभाने को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मेरी कोशिश हमेशा ऐसे किरदार निभाने की रहती है जो कहानी में सिर्फ मौजूद न हों, बल्कि उसे आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएं।

असाधारण साहस और इच्छाशक्ति से राष्ट्रमंडल खेलों तक पहुंचे शुभम

» ग्लासगो, यूटर्न/ 03 अगस्त ।

राष्ट्रमण्डल खेलों की शॉट पुट स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले पैरा एथलीट शुभम जुयाल का पोडियम तक का सफर आसान नहीं रहा है। शुभम की ये उपलब्धि उनके असाधारण साहस और इच्छाशक्ति को दिखाती है, क्योंकि ठीक चार साल पहले वह जिंदगी की जंग लड़ रहे थे। तब वह आईसीयू में थे। उस दिन उनका एक पैर घुटने के ऊपर से काटना पड़ा था और इससे उनका भारतीय सेना में शामिल होने का सपना तक टूट गया था। इससे जुयाल को ऐसा लग रहा था जैसे जिंदगी बुरी तरह थम गई हो। वहीं अब उनके पास एक रजत है।

अपनी इस यात्रा को याद करते हुए जुयाल ने से कहा, यह एक बड़ी उपलब्धि है क्योंकि ठीक चार साल पहले, 1 अगस्त को मैं आईसीयू में था। मेरा पैर घुटने के ऊपर से काटना पड़ा था और उस समय मैं पूरी तरह से निराश और बिना किसी मकसद के था। मैंने कभी नहीं सोचा था कि चार साल बाद मैं राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा लूंगा, रजत पदक जीतने की तो बात ही छोड़िए। जिंदगी बदलने वाले उस हादसे से पहले जुयाल का एकमात्र मकसद भारतीय सेना में सेवा करना था। 26 साल की उम्र में उन्होंने आर्मी कैडेट कॉलेज एंट्री स्कीम के लिए लिखित परीक्षा पास की थी और प्रतिष्ठित एसएसबी इंटरव्यू से बस एक हफ्ता दूर थे, तभी एक गंभीर मोटरसाइकिल दुर्घटना ने उनकी जिंदगी की दिशा बदल दी। उन्होंने याद करते हुए कहा, चार साल पहले, मेरा मकसद आर्मी ऑफिसर बनना था। मुझे नहीं पता था कि हादसे के बाद मैं जिंदगी में क्या करूंगा।

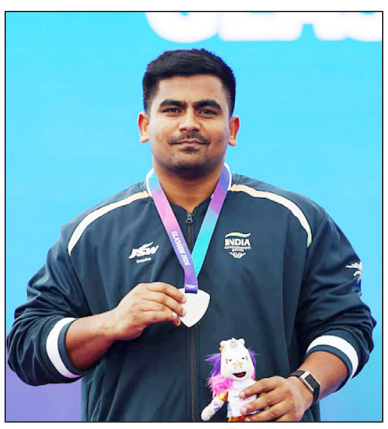

जुयाल की जिंदगी में अहम मोड़ 2023 में आया जब वे आर्मी पैरालंपिक नोड में शामिल हुए। वहीं उनकी मुलाकात सूबेदार मेजर आर के सिंह रावत से हुई, जिन्होंने उनकी किस्मत बदलने में मदद की। उस समय, जुयाल का पैरा-एथलेटिक्स में कोई अनुभव नहीं था। जुयाल ने माना, मुझे शॉट पुट के बारे में शून्य जानकारी थी। लेकिन मेरे कोच ने मुझे प्रेरित किया और सब कुछ सिखाया। उन्होंने बताया कि इंडियन आर्मी, उनके परिवार और उनके दोस्तों ने इस पूरे सफर में उनका बहुत साथ दिया, जो उनकी वापसी में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

राष्ट्रमंडल खेलों में जीता गया यह रजत पदक शुभम जुयाल के लिए भविष्य की बड़ी कामयाबियों की महज शुरूआत है। उनकी नजर अब 2028 लॉस एंजिल्स पैरालंपिक्स में स्वर्ण पदक जीतने पर है। जुयाल ने अपनी महत्वाकांक्षा व्यक्त करते हुए कहा, यह एक लंबा सफर है, लेकिन मुझे लगता है कि इसकी शुरूआत अभी हुई है।

मिडफील्डर रोड्री हर्नांडेज को लेकर रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी में चल रही खींचतान

लंदन, यूटर्न/ 03 अगस्त । स्पेन के दिग्गज मिडफील्डर रोड्री हर्नांडेज को को लेकर आजकल यूरोपीय फुटबॉल के दो बड़े क्लबों रियल मैड्रिड और मैनचेस्टर सिटी के बीच खींचतान जारी है। इसी कारण रोड्री ट्रांसफर बाजार में इस समय चचाओं में बने हुए हैं। रियल मैड्रिड उन्हें अपनी टीम में शामिल करने के लिए सक्रिय रूप से प्रयास कर रहा है, लेकिन मैनचेस्टर सिटी के साथ उनकी कीमत को लेकर बड़ी बाधा सामने आ रही है। मौजूदा जानकारी के अनुसार, मैनचेस्टर सिटी अपने इस स्टार खिलाड़ी को छोड़ने के लिए कम से कम 80 मिलियन यूरो की मांग कर रहा है, जबकि रियल मैड्रिड ने अपनी अधिकतम पेशकश 60 मिलियन यूरो तक ही सीमित रखी है।

वहीं मीडिया रिपोर्टों से पता चलता है कि दोनों क्लबों के बीच अभी तक कोई अंतिम सहमति नहीं बन पाई है। इस बहुप्रतीक्षित ट्रांसफर को अंजाम तक पहुंचाने के लिए आने वाले कुछ सप्ताह बेहद महत्वपूर्ण माने जा रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह सौदा संभव होना है, तो दोनों पक्षों को एक बीच का रास्ता निकालना होगा, जिसमें उन्हें अपनी-अपनी मांगों से कुछ समझौता करना पड़ सकता है।

गौरतलब है कि हर्नांडेज को मौजूदा समय में दुनिया के सबसे भरोसेमंद और प्रभावशाली मिडफील्ड खिलाड़ियों में से एक माना जाता है। पिछले कई साल से उन्होंने मैनचेस्टर सिटी के लिए कई बड़े मुकाबलों में असाधारण प्रदर्शन किया है। उनकी सटीक पासिंग क्षमता, खेल की गति को नियंत्रित करने का हुनर और रक्षात्मक मजबूती उन्हें टीम के लिए एक अमूल्य संपत्ति बनाती है। इन्हीं खूबियों के चलते रियल मैड्रिड अपने मध्य क्षेत्र को और अधिक मजबूत करने के लिए लंबे समय से रोड्री पर विचार कर रहा है। रोड्री का मौजूदा अनुबंध वर्ष 2027 की गर्मियों तक है। इस अनुबंध की स्थिति रियल मैड्रिड को बातचीत में कुछ हद तक बढ़त दिला सकती है।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संक्षिप्त खबरें

विश्वेश नेगी ईरान के नए राजदूत नियुक्त, जल्द संभालेंगे जिम्मेदारी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त । भारत सरकार ने विश्वेश नेगी को इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का अगला राजदूत नियुक्त किया है। वर्तमान में वो विदेश मंत्रालय (एमईए) में संयुक्त सचिव के रूप में कार्यरत हैं।एमईए ने एक बयान जारी कर इसकी जानकारी दी। साथ में बताया कि वो जल्द ही अपनी जिम्मेदारी संभालेंगे। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, 'साल 2002 बैच के आईएफएस अधिकारी विश्वेश नेगी वर्तमान में मंत्रालय में जॉइंट सेक्रेटरी के पद पर कार्यरत हैं। उन्हें ईरान में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है।' विश्वेश नेगी एक बेहद अनुभवी अधिकारी हैं, जिन्हें अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का लंबा अनुभव है। विदेश मंत्रालय से पहले वो रक्षा मंत्रालय में संयुक्त सचिव अंतरराष्ट्रीय सहयोग के रूप में अहम भूमिका निभा चुके हैं। विभिन्न देशों में भारतीय दूतावासों में अहम जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब पश्चिम एशिया तनाव चरम पर है।

ऑस्ट्रेलिया: सिडनी में इमारत का हिस्सा ढहा, दो की हालत गंभीर

सिडनी, यूटर्न/ 03 अगस्त । ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में सोमवार को इमारत का एक हिस्सा ढह जाने से अफरा-तफरी मच गई। हादसे में दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया जबकि कई लोगों को वहां से निकाला गया। मलबे की ईंटें पास के एक पेट्रोल पंप पर जा गिरीं, जिसके बाद बड़े स्तर पर आपातकालीन राहत अभियान चलाया गया। आपातकालीन सेवाओं को सुबह करीब 11 बजे उल्टिमो इलाके की वॉटल स्ट्रीट पर इमारत गिरने की सूचना मिली।सूचना मिलते ही पुलिस, दमकल और एंबुलेंस की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू किया।

मोरक्को ने स्यूटा में 11 लोगों की मौत की पुष्टि की स्पेन की ओर से जारी आंकड़ों में दिखा भारी अंतर

» दिल्ली, यूटर्न/ 03 अगस्त ।

मोरक्को की ओर से साझा जानकारी के अनुसार रबात में हजारों लोगों के स्यूटा में घुसने के बाद 11 माइग्रेंट की मौत की खबर है। वहीं, स्पेन की तरफ से इस घटना में कम से कम 72 लोगों की मौत का आंकड़ा सामने आ रहा है। मौजूदा हालात के बीच स्पेन की बॉर्डर पॉलिसी को लेकर यूरोपीय संघ की डिप्लोमैटिक टेंशन बढ़ गई है।

मोरक्को के गृह मंत्रालय ने पिछले हफ्ते स्पेन के उत्तरी अफ्रीकी इलाके स्यूटा तक पहुंचने की कोशिश में मारे गए लोगों की पहली संख्या जारी की है, जिसमें कहा गया है कि 11 लोग मारे गए। हालांकि, स्पेन की तरफ से जारी बयान में मृतकों की संख्या 72 है। बुधवार और शुक्रवार के बीच हजारों संभावित माइग्रेंट्स इस इलाके में आ गए, जिससे यूरोपीय संघ में डिप्लोमैटिक तनाव बढ़ गया। कुछ सदस्य देशों ने स्पेन की कार्रवाई न करने और ढीली माइग्रेशन पॉलिसी की आलोचना की।

मोरक्को के गृह मंत्रालय के प्रवक्ता राचिद एल खल्फी ने कहा कि मरने वाले 11 लोगों में से 10 डूब गए, जबकि ग्यारहवां व्यक्ति चट्टानी इलाके से गिर गया।

मोरक्को ने यह भी घोषणा की कि वे इन आंकड़ों को सत्यापित करने और स्पेनिश इलाके में मिली लाशों की पहचान करने के लिए स्पेन के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

इस बीच, मंत्रालय ने अचानक आई इस बढ़ोतरी के लिए सोशल मीडिया के गलत इस्तेमाल और गुमराह करने वाली जानकारी फैलाने को जिम्मेदार ठहराया। मोरक्को के गृह मंत्रालय ने स्पेन के सुप्रीम कोर्ट के फैसले को गलत तरीके से उल्लेखित करने का भी जिक्र किया।

8 जुलाई को स्पेन के सुप्रीम कोर्ट की तरफ से एक फैसला सुनाया गया, जिसमें कहा गया था कि समुद्र के रास्ते आने वाले माइग्रेंट्स को दूसरों की तरह जल्दी वापस नहीं भेजा जाना चाहिए।

मंत्रालय ने बताया कि स्यूटा में 40,000 लोगों ने गैर-कानूनी तरीके से घुसने की कोशिशें कीं। 1,135 और लोगों ने पूरब में मौजूद मेलिला के स्पेनिश इलाके में गैर-कानूनी तरीके से घुसने की कोशिश की, लेकिन उन्हें तुरंत मोरक्को के इलाके में वापस भेज दिया गया।

वर्ल्ड वॉर 2 के बाद सबसे बड़ा हमला होता, लेकिन टाल दिया: ट्रंप

» वाशिंगटन, यूटर्न/ 03 अगस्त

पश्चिम एशिया में बीते पांच महीनों से जारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा दावा कर हलचल मचा दी है। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा है कि अमेरिका ईरान पर एक बेहद बड़े और विनाशकारी सैन्य हमले की योजना बना रहा था, जो द्वितीय विश्व युद्ध के बाद का सबसे बड़ा हमला साबित होता। हालांकि, भयंकर तबाही और व्यापक जनहानि को रोकने के लिए उन्होंने इस कार्रवाई को फिलहाल रोक दिया है। ट्रंप ने एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्पष्ट किया कि वे युद्ध के बजाय कूटनीतिक रास्ते को प्राथमिकता देना चाहते हैं, क्योंकि सैन्य संघर्ष में भारी संख्या में निर्दोष लोग मारे जाते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति के अनुसार, दोनों देशों के बीच कूटनीतिक वार्ता की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान सहित क्षेत्र के अन्य प्रमुख सहयोगी देशों ने भी युद्ध रोकने और कूटनीति का रास्ता अपनाने का समर्थन किया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर संकेत दिया कि क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ एक समझौते की रूपरेखा पर सहमति बन गई है। इस संभावित समझौते के तहत रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज स्ट्रेट को तुरंत खोल दिया जाएगा, ताकि वैश्विक व्यापार और तेल आपूर्ति सामान्य हो सके। ट्रंप ने कहा कि वे एक ऐसा समझौता पसंद करेंगे जो ईरान के एक सफल और समृद्ध राष्ट्र के रूप में अस्तित्व को भी बनाए रखे, बशर्ते जल्द ही कोई ठोस और सर्वमान्य हल निकल आए। हालांकि, अमेरिका की ओर से आई इस कूटनीतिक पहल और बयानों पर ईरान ने बेहद सतर्क रुख अपनाया है। ईरान के रक्षा मंत्री ने अमेरिकी रुख पर कड़ा अविश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उनका देश ट्रंप की इन हालिया घोषणाओं से न तो चकित है और न ही अपनी सुरक्षा को लेकर कोई ढिलाई बरत रहा है।

नेपाल में उठी फिर वैदिक सनातन हिंदू राष्ट्र की मांग

15 सूत्रीय मांगपत्र सौंपा, सांसदों का घेराव जारी

» काठमांडू, यूटर्न/ 03 अगस्त ।

नेपाल को पुनः हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग अब देश भर में तेजी से जोर पकड़ रही है। यह आंदोलन अब केवल संगठनों के प्रदर्शनों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आम लोग भी सीधे अपने जनप्रतिनिधियों से जवाब मांगने लगे हैं। कई क्षेत्रों में लोगों ने सांसदों का घेराव कर हिंदू समुदाय की सुरक्षा और उनके अधिकारों के पक्ष में खुलकर बोलने का दबाव बनाया है।

सिरहा जिले में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के सांसद बबलू गुप्ता को भी जनता के भारी विरोध का सामना करना पड़ा, जहां लोगों ने अपनी अपेक्षाओं की अनदेखी का आरोप लगाया।

हाल ही में 26 जुलाई से शुरू हुई सांप्रदायिक हिंसा की आंच अब भले ही ठंडी पड़ गई हो और तनावपूर्ण हालात नियंत्रण में हों, लेकिन इस घटना के बाद हिंदूवादी संगठनों का आक्रोश और बढ़ गया है। संगठनों ने सरकार को 15 सूत्रीय मांगपत्र सौंपकर नेपाल को बौद्ध एवं किरात परंपराओं के सम्मान के साथ 'वैदिक सनातन हिंदू राष्ट्र' के रूप में पुनः स्थापित करने के लिए संसद में तत्काल प्रस्ताव लाने की मांग की है। मांगपत्र में सुनसरी जिले के देवानगंज में हुई हिंसा की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों की त्वरित गिरफ्तारी और जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करने की मांग की गई है। इसके साथ ही, गोली चलाने का आदेश देने वाले अधिकारियों तथा प्रशासनिक लापरवाही के जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की बात कही गई है। हिंसा में मारे गए लोगों को शहीद का दर्जा देने, परिजनों को मुआवजा और घायलों के मुफ्त इलाज की मांग भी शामिल है। इसके अलावा, रोहिंग्या, बांग्लादेशी और पाकिस्तानी घुसपैठियों की पहचान कर उन्हें देश से बाहर निकालने, सीमा सुरक्षा मजबूत करने और वर्ष 1990 के बाद जारी नागरिकताओं की जांच कराने की मांग प्रमुखता से उठाई गई है।

बांग्लादेश में आतंकवादी हमलों की आशंका से हाई अलर्ट

पुलिस वाहनों और थानों की सुरक्षा हुई सख्त

» ढाका, यूटर्न/ 03 अगस्त ।

खुफिया एजेंसियों से मिली गंभीर रिपोर्टों के आधार पर बांग्लादेश पुलिस ने पूरे देश में कानून प्रवर्तन एजेंसियों के वाहनों और प्रतिष्ठानों पर संभावित आतंकवादी व चरमपंथी हमलों को लेकर हाई अलर्ट जारी कर दिया है। ऑपरेशन्स कंट्रोल ब्रांच (ओसीबी) द्वारा जारी आंतरिक निदेर्शों के बाद देशभर में जीप, ट्रक और बसों सहित पुलिस की सभी गाड़ियों की सुरक्षा अभूतपूर्व रूप से बढ़ा दी गई है। यह अलर्ट 5 अगस्त से ठीक पहले आया है, जब अगस्त 2024 में हिंसक छात्र आंदोलन के चलते पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार गिरने के दो वर्ष पूरे हो रहे हैं। पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, ओसीबी के निदेर्शों के तहत पूरे देश में पुलिस वाहनों को निशाना बनाकर की जाने वाली किसी भी तोड़फोड़ की कोशिश को नाकाम करने के लिए कड़ी निगरानी रखी जा रही है। सरकारी वाहनों को चलते समय और पार्क करते समय-दोनों ही स्थितियों में सुरक्षित रखने के सख्त निर्देश दिए गए हैं। थानों के परिसर के भीतर भी किसी भी सरकारी वाहन को बिना देखरेख के न छोड़ने के आदेश हैं।

यह अलर्ट राजधानी ढाका में हाल ही में सामने आई बम संबंधी घटनाओं और अफवाहों के बाद बेहद महत्वपूर्ण हो गया है। हाल ही में पुलिस के बम निरोधक दस्ते ने मोतीझील मेट्रो स्टेशन पर एक लावारिस छाते के नीचे छिपाकर रखे गए रिमोट-कंट्रोल्ड विस्फोटक उपकरण (आईईडी) को समय रहते निष्क्रिय किया था। इसके अलावा अन्य स्टेशनों पर लावारिस बैग मिलने से हड़कंप मच गया था। काउंटर टेररिज्म एंड ट्रांसनेशनल क्राइम इकाई ने स्पष्ट किया है कि हालांकि किसी विशिष्ट साजिश की कोई पक्की खुफिया रिपोर्ट नहीं है, फिर भी 5 अगस्त की संवेदनशीलता को देखते हुए कोई जोखिम नहीं लिया जा रहा है।

इस बीच, बांग्लादेश के गृह मंत्री सलाहुद्दीन अहमद ने राजशाही में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा कि संदिग्ध वस्तुओं से जुड़ी हर घटना की गहन जांच की जा रही है और देश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह नियंत्रण में है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भले ही हिंसा की घटनाओं में कमी आई है, फिर भी सरकार अलर्ट मोड में है। गौरतलब है कि मिड-2026 के एक वैश्विक क्राइम इंडेक्स में ढाका को दक्षिण एशिया का सबसे असुरक्षित और अपराध-प्रवण बड़ा शहर बताए जाने के तुरंत बाद प्रशासन ने सुरक्षा घेरा और मजबूत कर दिया है।

जंगलों की आग बुझाते वक्त दो हेलीकॉप्टर हवा में भिड़े

» एथेंस, यूटर्न/ 03 अगस्त ।

भीषण जंगलों की आग से सुलगते ग्रीस में राहत और बचाव कार्य के दौरान एक दर्दनाक हादसा सामने आया है। एथेंस के पश्चिमी इलाके पसाथा में रविवार को धधकती आग पर पानी छिड़क रहे दो अग्निशमन हेलीकॉप्टर हवा में आपस में टकरा गए।

हवा में रोटर टकराते ही एक हेलीकॉप्टर जोरदार धमाके के साथ आग का गोला बनकर जमीन पर आ गिरा। इस हादसे में एक क्रू मेंबर को सुरक्षित निकाल लिया गया है, जबकि दूसरे की तलाश में सर्च एंड रेस्क्यू टीमें लगातार जुटी हुई हैं।

ग्रीस के प्रधानमंत्री क्यारीकोस मित्सोटाकिस ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए चेतावनी जारी की है कि आने वाले दिन देश के लिए बेहद कठिन साबित होंगे। उन्होंने कहा कि राज्य इस समय बेकाबू मौसम की मार झेल रहा है, जहां 100 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज तूफानी हवाएं चल रही हैं। इतनी भीषण हवाओं और घने धुएं के कारण दमकल विमानों के लिए पानी भरना और सुरक्षित तरीके से काम कर पाना लगभग असंभव हो गया है। राजधानी एथेंस से करीब 70 किलोमीटर दूर लोकप्रिय तटीय गांव पोर्टो जेरमेनो के आसपास आग ने सबसे ज्यादा तबाही मचाई है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *